RNI : CHHHIN/2022/83766 | वर्ष : 03, अंक : 313 | गरियाबंद से प्रकाशित | गुरुवार, 07 अगस्त 2025 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 3 रुपए | www.gangaprakash.com

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

गंगा प्रकाश

संपादक : प्रकाश कुमार यादव

प्रबंध संपादक : रज्जू बंजारे

मनोरंजन 07
6 साल बाद बॉलीवुड में धमाकेदार वापसी को तैयार प्रियंका चोपड़ा

आंचलिक 03
केन्द्रीय विद्यालय बेमेतरा के संचालन की तैयारियाँ अंतिम चरण में, कलेक्टर...

खेल 06
मुझे जस्सी भाई और खुद पर विश्वास है, ओवल में इंग्लैंड पर जीत के बाद...

दैनिक समाचार पत्र गंगा प्रकाश को पत्रकारो की आवश्यकता है।
इच्छूक व्यक्ति संपर्क करें :- 8878098815 9770269285

संक्षिप्त समाचार

मुंबई में बैडमिंटन कोच पर जानलेवा हमला, हफ्ता वसूली देने से किया था इनकार

मुंबई । मुंबई में एक बैडमिंटन कोच पर हमले का मामला सामने आया है। मुंबई के चेंबूर इलाके में बैडमिंटन कोच पर तीन युवकों ने जानलेवा हमला किया। कथित तौर पर यह हमला इसलिए किया गया, क्योंकि कोच ने हर हफ्ते 1000 रुपए की हफ्ता वसूली देने से इनकार कर दिया था। घायल कोच की पहचान प्रफुल्ल घाटविसावे के रूप में हुई है, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह चौंकाने वाली घटना प्रबुद्धनगर इलाके में बाबासाहेब अंबेडकर एसआरए बिल्डिंग के पास घटी। कोच प्रफुल्ल घाटविसावे अपने घर के पास एक दोस्त से फोन पर बात कर रहे थे, तभी तीन युवकों ने उन पर हमला कर दिया। पुलिस ने बताया कि यह घटना रविवार की रात हुई थी। आरोपियों ने खुद को सनी गैंग से बताया और कोच घाटविसावे से उनके दोस्त की बहन के मकान किराए में से हर हफ्ते 1000 रुपए देने की मांग की। जब उन्होंने भुगतान करने से इनकार किया, तो आरोपियों ने उन पर हमला कर दिया।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद भारत बढ़ाएगा ब्रह्मोस मिसाइलों का उत्पादन

नई दिल्ली। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ब्रह्मोस मिसाइलों की सफलता को देखते हुए इन सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों की बड़ी संख्या में उत्पादन का निर्णय लिया है। यह मिसाइल भारत और रूस द्वारा संयुक्त रूप से विकसित की गई है और इसका इस्तेमाल मई में हुए 4 दिवसीय संघर्ष में पाकिस्तान के सैन्य ठिकानों पर सटीक हमलों के लिए किया गया था। अब रक्षा मंत्रालय जल्द ही इस ऑर्डर को मंजूरी दे सकता है। इस फैसले के तहत भारतीय नौसेना के वीर श्रेणी के युद्धपोतों को समुद्री वैरिएंट से और भारतीय वायुसेना के सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमानों को हवाई संस्करण से लैस किया जाएगा। इससे भारत की समुद्री और हवाई ताकत काफी मजबूत होगी। ब्रह्मोस की विशेषताएं जैसे तेज गति, सटीक लक्ष्यभेदन और दागो और भूल जाओ क्षमता इसे दुश्मन के लिए रोकना मुश्किल बनाती हैं।

जम्मू-कश्मीर का राज्य दर्जा बहाली पर सुप्रीम कोर्ट 8 अगस्त को करेगा सुनवाई

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग तेज हो गई है। इसको लेकर सुप्रीम कोर्ट शुक्रवार 8 अगस्त को सुनवाई करेगा। लाइव लॉ के मुताबिक, याचिका में केंद्र सरकार को केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने के निर्देश देने की मांग की गई है। वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई के समक्ष मामले का उल्लेख कर कहा कि इसे 8 अगस्त के लिए सूचीबद्ध दिखाया गया है। शंकरनारायणन ने सीजेआई से अनुरोध किया कि मामले को उस दिन की सूची से न हटाया जाए, जिसे स्वीकार कर लिया गया। मामला ऐसे समय आया है। जब 5 अगस्त को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 निरस्त करने और उसे केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विभाजित करने की छठी वर्षगांठ है।

पीएम मोदी ने कर्तव्य भवन-3 का उद्घाटन किया

सरकारी मंत्रालयों विभागों को मिला नया ठिकाना-पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को दस नए कॉमन सेंट्रल सेक्रेटेरियट भवनों में से पहले, कर्तव्य भवन-3 का उद्घाटन किया। इस नए पावर कॉम्प्लेक्स में केंद्र सरकार के सभी मंत्रालय और विभाग स्थित होंगे, जो वर्तमान में दिल्ली भर में स्थित हैं। कर्तव्य भवन को दिल्ली भर में फैले विभिन्न मंत्रालयों और विभागों को एक साथ लाकर दक्षता, नवाचार और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। सबसे पहले उद्घाटन किए जाने वाले कर्तव्य भवन-3 में गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय, एमएसएमई, कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय और प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार (पीएसए) के कार्यालय होंगे। नॉर्थ और साउथ ब्लॉक स्थित मंत्रालयों को कर्त्तव्य भवन में स्थानांतरित कर दिया जाएगा, जिससे रेज़िन हिल स्थित दोनों ब्लॉकों को एक संग्रहालय में बदलने का रास्ता साफ हो जाएगा, जहाँ भारतीय पौराणिक और आधुनिक इतिहास को प्रदर्शित किया जाएगा। कई प्रमुख केंद्रीय मंत्रालय वर्तमान में शास्त्री भवन, कृषि भवन, उद्योग भवन और निर्माण भवन जैसी पुरानी इमारतों से संचालित होते हैं, जिनका

निर्माण 1950 और 1970 के दशक के बीच हुआ था। सरकार के अनुसार, इन इमारतों को अब संरचनात्मक रूप से पुराना और अक्षम माना जाता है। इस समस्या के समाधान के लिए, केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय (एचयूए) ने सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास परियोजना के तहत कॉमन सेंट्रल सेक्रेटेरिएट (सीसीएस) के अंतर्गत दस भवनों के निर्माण की योजना शुरू की है। इनमें से भवन 2 और 3 निर्माणाधीन हैं और अगले महीने तक पूरा होने की उम्मीद है। सीसीएस भवन 10 का काम अगले साल अप्रैल तक पूरा होने वाला है, जबकि भवन 6 और 7 का निर्माण अक्टूबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है। केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने घोषणा की कि वर्तमान में शास्त्री भवन, कृषि भवन, उद्योग भवन और निर्माण भवन में कार्यरत कार्यालयों को निर्माण चरण के दौरान दो वर्षों की अवधि के लिए अस्थायी रूप से चार नए स्थानों, कस्तूरबा गांधी मार्ग, मिंटो रोड और नेताजी पैलेस में स्थानांतरित किया जाएगा। लगभग 1.5 लाख वर्ग मीटर क्षेत्र में फैले इस अत्याधुनिक कार्यालय परिसर में दो बेसमेंट और सात मंजिलें (भूतल+6 मंजिल) हैं। वर्तमान में, कई प्रमुख मंत्रालय 1950 और 1970 के दशक के बीच निर्मित शास्त्री भवन, कृषि भवन, उद्योग भवन और निर्माण भवन जैसी पुरानी इमारतों से काम करते हैं। जो 1950-70 के दशक में बनाई गई थीं। भवन में सुरक्षित और आईटी-सक्षम कार्यस्थल, स्मार्ट एंट्री सिस्टम, इलेक्ट्रॉनिक निगरानी और कमांड सेंटर, सोलर पैनल, सौर वॉटर हीटर और ई-वाहन चार्जिंग स्टेशन जैसी सुविधाएं हैं। यह पर्यावरण के अनुकूल निर्माण को भी बढ़ावा देता है, जिसमें अपशिष्ट जल का पुनः उपयोग, ठोस कचरा प्रबंधन प्रणाली शामिल हैं। इमारत को ठंडा रखने और बाहरी ध्वनि प्रदूषण को कम करने के लिए इसमें कांच की विशेष खिड़कियां लगाई गई हैं। कर्तव्य भवन को 30 प्रतिशत कम ऊर्जा खपत के लिए तैयार किया गया है। ऊर्जा की बचत करने वाली एलईडी लाइटें, जरूरत न होने पर लाइटें बंद करने वाले सेंसर, बिजली बचाने वाली स्मार्ट लिफ्ट्स और बिजली के उपयोग को प्रबंधित करने की एक उन्नत प्रणाली लगाई गई है।

7 साल बाद 31 अगस्त को चीन जाएंगे पीएम मोदी, एससीओ की बैठक में होंगे शामिल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 31 अगस्त से 1 सितंबर तक तियानजिन शहर में आयोजित होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के क्षेत्रीय शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन का दौरा करेंगे। 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद यह उनकी पहली चीन यात्रा होगी। उन्होंने पिछली बार 2019 में चीन का दौरा किया था।एससीओ सदस्य देशों के साथ चर्चा में क्षेत्रीय सुरक्षा, आतंकवाद और व्यापार जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। भारत-चीन संबंधों में स्थिरता और संवाद बहाल करने के प्रयास किए जाएँगे। शिखर सम्मेलन के दौरान रूसी राष्ट्रपति पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ अनौपचारिक मुलाकात की संभावना है। इससे पहले, अक्टूबर 2024 में, प्रधानमंत्री मोदी और शी जिनपिंग कज़ान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में मिले थे। इसके बाद, दोनों देशों के बीच सीमा तनाव कम करने के प्रयासों में तेज़ी आई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी इस वर्ष की शुरुआत में आयोजित एससीओ बैठकों में भाग लिया था। जयशंकर ने बीजिंग में शी जिनपिंग से मुलाकात की थी और उन्हें भारत-चीन संबंधों में हालिया घटनाक्रमों से अवगत कराया था, साथ ही द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने में निरंतर नेतृत्व मार्गदर्शन के महत्व पर ज़ोर दिया था।

अदाणी समूह के चलते

पीएम मोदी....ट्रंप के सामने नहीं टिक सकते..सांसद राहुल गांधी

नई दिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को प्रधानमंत्री मोदी पर तीखा हमला बोला और कहा कि अदाणी समूह के खिलाफअमेरिका में चल रही जांच के कारण पीएम मोदी, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने टिक नहीं हो सकते। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि इस जांच से वित्तीय संबंधों का कथित खुलासा होने का खतरा है। एक्स पर साझा एक पोस्ट में राहुल गांधी ने लिखा, 'भारत, कृपया समझें: राष्ट्रपति ट्रंप की बार-बार की धमकियों के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी उनके सामने टिक नहीं पा रहे हैं, क्योंकि अदाणी मामले में अमेरिका की जांच चल रही है। राहुल गांधी ने पोस्ट में लिखा कि, 'एक खतरा मोदी, एए और रूसी

तेल सौदों के बीच के वित्तीय संबंधों का खुलासा होने का भी है। मोदी के हाथ बंधे हुए हैं।' टैरिफ को लेकर भारत और अमेरिका के बीच चल रहे तनाव के बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि बड़ी मात्रा में रूसी तेल खरीदने के लिए अमेरिका भारत पर काफी बढ़ा हुआ टैरिफ लगाएगा। उन्होंने दावा किया कि रूस से खरीदे गए तेल का हिस्सा खुले बाजार में भारी मुनाफे पर बेचा जा रहा है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर साझा पोस्ट में लिखा, 'भारत न केवल भारी मात्रा में रूसी तेल खरीद रहा है। बल्कि खरीदे गए तेल का एक बड़ा हिस्सा खुले बाजार में भारी मुनाफे पर बेच रहा है। उन्हें इस बात की कोई परवाह नहीं है कि रूस द्वारा यूक्रेन में कितने लोग मारे जा रहे हैं। इस वजह से, मैं भारत पर लगने वाले टैरिफ में भारी वृद्धि करूंगा। इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद! वहीं भारत ने राष्ट्रीय हित के आधार पर ऊर्जा नीति बनाने के अपने संप्रभु अधिकार का बचाव किया। भारत सरकार ने साफ किया कि भारत की ऊर्जा खरीद बाजार की गतिशीलता और राष्ट्रीय हितों से तय होती है।

879 ग्राम स्मैक के साथ नशे का सौदागर अनीश खान गिरफ्तार

फलोदी। पुलिस अधीक्षक कुंदन कंवरिया के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ब्रजराजसिंह चारणएवं सीओ अचलसिंह के सुपरविजन में चलाए जा रहे अवैध मादक पदार्थ विरोधी विशेष अभियान के तहत फलोदी पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। जिला विशेष टीम फलोदी और थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 879 ग्राम अवैध स्मैक बरामद कर एक अंतरराज्यीय तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अनीश खान पुत्र बशीर खां मुसलमान निवासी जोड़, पुलिस थाना फलोदी के रूप में हुई है। अगस्त को छ्स्ञ्ज फलोदी को मुखबिर से सूचना मिली कि अनीश खान लंबे समय से स्मैक की तस्करी कर रहा है। टीम के सदस्यों हितेश कुमार, गंगाराम और किशनाराम ने आरोपी की गतिविधियों, आवाजाही के रास्तों और ठिकानों की गुप्त निगरानी की।

खरगे बोले-सरकार इच्छुक नहीं

बिहार मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण पर संसद में चर्चा चाहता है विपक्ष..

नई दिल्ली/ एजेंसी

विपक्षी दलों की ओर से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने चुनावी राज्य बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर राज्यसभा में चर्चा की माँग दोहराई है। बुधवार को उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह को पत्र लिखकर खड़गे ने कहा कि यह मुद्दा करोड़ों मतदाताओं, खासकर समाज के कमज़ोर वर्गों के मतदाताओं के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय है। राज्यसभा नेता प्रतिपक्ष ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि कैसे उच्च सदन के सभापति के पिछले फैसलों ने सदन को एक प्रतिबंध के साथ, दुनिया की हर चीज़ पर चर्चा करने की अनुमति दी है। उपसभापति को लिखे अपने पत्र के कुछ अंश साझा करते हुए, खड़गे ने लिखा,

निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूचियों की विशेष गहन समीक्षा सबसे पहले बिहार में की जा रही है और फिर इसे पश्चिम बंगाल, असम और अन्य राज्यों में भी किया जाएगा। विपक्षी सांसद मौजूदा सत्र के पहले दिन से ही सदन में इस पर तत्काल चर्चा की माँग कर रहे हैं। अपने पत्र में उन्होंने आगे कहा कि इसलिए, मैं अपनी ओर से और राज्यसभा में विपक्षी दलों की ओर से, आपसे अनुरोध करता हूँ कि आप इस मुद्दे पर तुरंत चर्चा की अनुमति दें, जो करोड़ों मतदाताओं, विशेषकर समाज के कमज़ोर वर्गों के मतदाताओं के लिए अत्यंत चिंता का विषय है। उपसभापति से उच्च सदन के सभापति के पिछले फैसलों को बरकरार रखने का आग्रह करते हुए, खड़गे ने लिखा कि 21 जुलाई, 2023 को, राज्यसभा के तत्कालीन सभापति ने एक फैसला दिया था। कि 'यह सदन एक प्रतिबंध के साथ दुनिया की हर चीज़ पर चर्चा करने का हकदार है'। खड़गे ने उस परंपरा को जारी रखने का आह्वान करते हुए, अपने पत्र में आगे कहा, आप निस्संदेह इस बात को समझेंगे कि सभापति एक सतत संस्था है। आपने स्वयं अपने कुछ फैसलों के समर्थन में पिछले कई वर्षों में सभापति द्वारा दिए गए फैसलों का हवाला दिया है।

दिल्ली विधानसभा में फांसी घर विवाद

मुख्यमंत्री ने आप के दावे की जांच की मांग की.....

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को कहा कि दिल्ली विधानसभा परिसर में फांसी घर के अस्तित्व पर आप के दावों की जांच का आदेश दिया जाना चाहिए और इसके जीर्णोद्धार पर खर्च किए गए एक-एक पैसे की वसूली की जानी चाहिए। विधानसभाध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा है कि 2022 में जिस कक्ष का जीर्णोद्धार किया गया और तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उद्घाटन किया, वह वास्तव में एक ''टिफिन रूम'' था, न कि औपनिवेशिक काल का फांसी स्थल। विधानसभा में इस मामले पर

चर्चा के दौरान रेखा गुप्ता ने कहा कि तथाकथित 'फांसी घर' की सजावट पर एक करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं और यह राशि वसूल की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, ''इस मामले की जांच होनी चाहिए।

इस चित्र में एआईसीसी द्वारा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता तथा पार्टी नेता राहुल गांधी नई दिल्ली में इंडिया अलायंस के फ्लोर नेताओं की बैठक के दौरान।

बिहार में हटाए गए 65 लाख मतदाताओं के नाम

शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग से शनिवार तक मांगी जानकारी.....

नई दिल्ली। एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को चुनाव आयोग (ईसी) को निर्देश दिया है कि वह बिहार के ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से हटाए गए करीब 65 लाख मतदाताओं की पूरी जानकारी 9 अगस्त तक पेश करे। कोर्ट ने यह भी कहा कि यह जानकारी उन राजनीतिक दलों के साथ-साथ एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) नाम की एनजीओ को भी दी जाए, जिसने इस मुद्दे पर याचिका दाखिल की है। चुनाव आयोग ने बिहार में 24 जून को 'विशेष सघन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर)' शुरू किया था। इसके तहत 1 अगस्त को ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी की गई, जिसमें 7.24 करोड़ मतदाता दिखाए गए। लेकिन इसमें से 65 लाख से अधिक वोटरों के नाम हटा दिए गए। चुनाव आयोग का कहना है कि ये लोग या तो मर चुके हैं, दूसरी जगह स्थायी रूप से चले गए हैं, या दो जगहों पर नाम था। जस्टिस सूर्यकांत, उज्जल भुयान और एन. कोटिश्वर सिंह की बेंच ने चुनाव आयोग से कहा, 'हमें हर उस वोटर की जानकारी चाहिए जिसका नाम हटाया गया है। ये देखें कि किस आधार पर नाम हटे हैं।' वहीं एनजीओ की तरफसे वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि, 'राजनीतिक पार्टियों को हटाए गए वोटरों की लिस्ट दी गई है, लेकिन इसमें यह नहीं बताया गया कि कौन मरा है, कौन शिफ्ट हुआ है, या किसका नाम गलत तरीके से

एडीआर की याचिका में क्या मांग की गई

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने मांग की है कि 65 लाख हटाए गए नामों की पूरी सूची प्रकाशित की जाए। हर नाम के साथ यह भी बताया जाए कि उसे क्यों हटाया गया, मौत, स्थायी स्थानांतरण या कोई अन्य वजह। सुप्रीम कोर्ट में चुनाव आयोग ने हलफनामा देकर कहा, 'हम वोटर लिस्ट को साफ करने का काम कर रहे हैं। हमारा मकसद है कि अपात्र लोग हटें और केवल सही लोग वोटर लिस्ट में रहें।

हटा।' कोर्ट ने चुनाव आयोग को कहा कि वह 9 अगस्त तक जवाब दाखिल करे, ताकि 12-13 अगस्त को इस मामले पर पूरी सुनवाई हो सके। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने मांग की है कि 65 लाख हटाए गए नामों की पूरी सूची प्रकाशित की जाए। हर नाम के साथ यह भी बताया जाए कि उसे क्यों हटाया गया, मौत, स्थायी स्थानांतरण या कोई अन्य वजह। सुप्रीम कोर्ट में चुनाव आयोग ने हलफनामा देकर कहा, 'हम वोटर लिस्ट को साफ करने का काम कर रहे हैं।

उत्तरकाशी में जलप्रलय

मलबे के बीच जिंदगी की तलाश रही...राहत बचाव कार्यों में जुटे 225 से अधिक जवान..

उत्तराखंड/ एजेंसी

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में जारी भारी बारिश के बीच बुधवार सुबह धराली में आपदा पीड़ितों की तलाश के लिए बचाव एवं राहत कार्य फिर शुरू किया गया। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से बातचीत कर स्थिति की जानकारी ली। मंगलवार दोपहर बाद बादल फटने से खीरगंगा नदी में आयी भीषण बाढ़ में करीब आधा गांव तबाह हो गया था। धराली गंगोत्री धाम से करीब 20 किलोमीटर पहले पड़ता है और यात्रा का प्रमुख पड़ाव है। उत्तराखंड सरकार द्वारा जारी एक सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार, विनाशकारी बाढ़ में चार लोगों की मृत्यु हो गयी जबकि विभिन्न एजेंसियों द्वारा चलाए जा रहे बचाव अभियान में 130 से अधिक लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, बाढ़ में 50 से अधिक लोग लापता हो सकते हैं क्योंकि पानी के अचानक आने से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचने का मौका ही नहीं मिला।हालांकि, घटनास्थल पर जमा मलबे से अभी तक कोई शव बरामद नहीं हुआ है। सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल

मनीष श्रीवास्तव ने कहा कि लापता लोगों में 11 सैनिक भी शामिल हैं। 14 राज रिफके कमांडिंग अधिकारी कर्नल हर्षवर्धन 150 सैनिकों की अपनी टीम के साथ मौके पर राहत और बचाव अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं। लेफ्टिनेंट कर्नल श्रीवास्तव ने कहा कि सैनिकों के लापता होने और बेस के प्रभावित होने के बावजूद टीम पूरे साहस और दृढ़ संकल्प के साथ काम कर रही है। फंसे हुए लोगों को निकालने के लिए भारतीय सेना ने एमआई-17 और चिनूक हेलीकॉप्टरों को तैनात किया है। मुख्यमंत्री धामी बुधवार को स्वयं धराली बाजार, हर्षिल तथा आसपास के क्षेत्रों में आपदा से हुई क्षति का निरीक्षण करेंगे। अधिकारियों ने यहां बताया कि आपदा में हुए जानमाल के भारी नुकसान को देखते हुए राहत एवं बचाव कार्यों तथा क्षतिग्रस्त परिसंपत्तियों की तत्काल मरम्मत के लिए राज्य आपदा मोचन निधि से 20 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की गयी है।

खबर-खास

छुरा नगर पंचायत में पार्षदों का हंगामा 15 अगस्त का प्रस्ताव पास कर अन्य मुद्दों को दरकिनार करने पर कांग्रेस पार्षदों ने किया बैठक का बहिष्कार, अध्यक्ष व परिजनों पर मनमानी का आरोप

छुरा (गंगा प्रकाश)। नगर पंचायत छुरा में आयोजित परिषद की बैठक उस वक्त विवादों में घिर गई जब 15 अगस्त ध्वजारोहण को लेकर पहला एजेंडा पारित करने के बाद अन्य अहम एजेंडों पर चर्चा करने से पहले ही कांग्रेस के पार्षदों ने बैठक का बहिष्कार कर दिया। विपक्षी पार्षदों का आरोप है कि नगर की ज़रूरी समस्याओं और जनहित के मुद्दों को दरकिनार कर केवल औपचारिक कार्यवाही की जा रही है, जिससे आमजन की समस्याएं लगातार अनदेखी हो रही हैं।

कांग्रेसी पार्षदों ने बैठक से किया वॉकआउट- बैठक में जैसे ही स्वतंत्रता दिवस के ध्वजारोहण से संबंधित प्रस्ताव को पारित किया गया, उसके बाद की कार्यवाही में अन्य ज़रूरी मुद्दों को एजेंडे से हटाने पर कांग्रेसी पार्षदों ने विरोध जताते हुए बैठक का बहिष्कार कर दिया। पार्षदों का कहना था कि परिषद की कार्यवाही में पारदर्शिता नहीं है और पहले से लंबित प्रस्तावों की जानकारी नहीं दी जा रही।

स्ट्रीट लाइट योजना में मनमानी ङ्क आवासपारा उपेक्षित- पार्षदों ने आरोप लगाया कि पूर्व में जो स्ट्रीट लाइट प्रस्ताव पारित हुआ था, उसमें तय हुआ था कि बचे हुए पोल आवासपारा क्षेत्र में लगाए जाएंगे, जो नगर का अंतिम छोर है और जहां जंगली जानवरों का खतरा बना रहता है। लेकिन अब बिना परिषद की अनुमति के वही पोल नगर के अन्य हिस्सों में लगवाए जा रहे हैं, जिससे मनमानी और भेदभाव की बू आती है।

अध्यक्ष के परिजनों पर कार्यों में हस्तक्षेप का आरोप- कांग्रेस पार्षदों ने बैठक में नगरपालिका अध्यक्ष के परिजनों पर कार्यों में अनावश्यक दखल देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि नगरीय प्रशासन विभाग की वर्ष 2010 की गाइडलाइन के तहत निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधियों के कार्य में उनके सगे-संबंधियों का हस्तक्षेप पूरी तरह प्रतिबंधित है, फिर भी छुरा नगर पंचायत में खुलेआम इसका उल्लंघन हो रहा है।

जनता से जुड़े मुद्दों की अनदेखी- पार्षदों ने नाराज़गी जाहिर की कि नामांतरण, वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन जैसे सीधे जनता से जुड़े मुद्दों को एजेंडे में शामिल नहीं किया गया, जबकि इन्हीं मुद्दों को लेकर जनता से लगातार शिकायतें मिल रही हैं।

इन जनप्रतिनिधियों ने उठाई आवाज़ - किया बहिष्कार- इस बैठक का विरोध करते हुए बहिष्कार करने वाले प्रमुख जनप्रतिनिधियों में उपाध्यक्ष अब्दुल शमीम खान के साथ पार्षदगण हरीश यादव, सलीम मेमन, देवीसिंह नेताम, पंचराम टंडन, शांतनु देवांगन, यामीन खान, दीप्ति यादव, और रामजी दीवान शामिल थे। इन सभी ने एक स्वर में प्रशासन पर आरोप लगाया कि परिषद की निर्णय प्रक्रिया में पार्षदों की भागीदारी को नजरअंदाज किया जा रहा है और केवल चुनींदा लोगों के हित में फैसले लिए जा रहे हैं।

सीएमओ को सौंपा ज्ञापन, भविष्य में आंदोलन की चेतावनी- बैठक के बाद कांग्रेस पार्षदों ने मुख्य नगरपालिका अधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए चेतावनी दी कि यदि आगे से कार्यों में पारदर्शिता नहीं बरती गई, प्रस्तावों को नजरअंदाज किया गया और जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता नहीं दी गई, तो वे लोकतांत्रिक तरीके से जनआंदोलन शुरू करेंगे। छुरा नगर पंचायत में चल रही यह राजनीति अब केवल विकास के मुद्दों तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसमें पारदर्शिता, जवाबदेही और जनप्रतिनिधियों की भूमिका पर भी गंभीर सवाल उठ खड़े हुए हैं। आने वाले समय में यह मामला और भी गरमाने की संभावना है, क्योंकि पार्षदों ने साफकर दिया है कि जनता की आवाज़ को दबाने नहीं दिया जाएगा।

बिरगांव का शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बना विश्वास का केंद्र, सुरक्षित प्रसव से गूंजा खुशी का माहौल – स्वास्थ्य सुविधाओं में हो रहा निरंतर सुधार

रायपुर (गंगा प्रकाश)। राजधानी से महज 12-14 किलोमीटर और धरसींवा से करीब 15 किलोमीटर की दूरी पर स्थित शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिरगांव इन दिनों क्षेत्रवासियों के लिए उम्मीद की एक नई किरण बनकर उभरा है। ट्रांसपोर्ट नगर रांवाभाठा क्षेत्र में संचालित इस स्वास्थ्य केंद्र में हाल ही में तीन महिलाओं का सुरक्षित प्रसव सफलता पूर्वक संपन्न हुआ, जिससे परिजनों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी है।

स्थानीय निवासियों के अनुसार, यह उपलब्धि केवल एक चिकित्सकीय सेवा नहीं, बल्कि स्वास्थ्य व्यवस्था में हो रहे गुणवत्तापूर्ण बदलाव का परिचायक है। स्वास्थ्य केंद्र में मौजूद स्वास्थ्य मितानिनों ने जानकारी देते हुए बताया कि अस्पताल में कार्यरत डॉक्टरों, नर्सों और अन्य स्टाफ का सहयोगात्मक रवैया हर मरीज के लिए संबल बन रहा है। यही कारण है कि अब मरीज रायपुर के बड़े सरकारी और महंगे निजी अस्पतालों को छोड़कर बिरगांव के इस केंद्र की ओर रुख कर रहे हैं।

मितानिनों ने बताया - अब बिरगांव में ही मिल रहा है बेहतर इलाज- स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लेने पहुंचे वरिष्ठ पत्रकार गोलू कैवर्त ने अस्पताल परिसर में मरीजों के परिजनों और मितानिनों से सीधी बातचीत की। चर्चा में मितानिनों ने बताया कि केंद्र में प्रसव सेवाओं से लेकर सामान्य बीमारियों और टीकाकरण तक की हर सुविधा सहज और सुलभ तरीके से उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा, हमारे यहां कार्यरत डॉक्टरों और स्टाफ का व्यवहार बहुत सहयोगी है। समय पर इलाज, समय पर दवाइयां, और सबसे जरूरी — एक भरोसेमंद माहौल मिल रहा है।

डॉक्टरों और स्टाफ की टीम बनी आधारशिला- अस्पताल की इस प्रगति के पीछे जिन लोगों का योगदान रहा है, उनमें विशेष रूप से बीएमओ डॉ. सुनील साहू, डॉ. गरिमा मिश्रा, नर्स सरस्वती वर्मा और पूरा स्वास्थ्य स्टाफ शामिल हैं। इन सभी ने न केवल अपने कर्तव्यों का समर्पण के साथ निर्वहन किया है, बल्कि अस्पताल को स्वच्छ, सुरक्षित और भरोसेमंद उपचार केंद्र के रूप में स्थापित किया है।

आने वाले समय में और भी बेहतर होंगे हालात- स्थानीय निवासियों और मितानिनों को उम्मीद है कि आने वाले समय में सरकार द्वारा इस केंद्र में और भी आधुनिक चिकित्सा उपकरण, विशेषज्ञ डॉक्टर, और विस्तारित सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। इसके लिए प्रशासनिक स्तर पर भी योजनाएं बनाई जा रही हैं।

बिरगांव बना मिसाल- बिरगांव का यह स्वास्थ्य केंद्र अब केवल एक चिकित्सा सेवा केंद्र नहीं, बल्कि स्थानीय विकास और जनविश्वास की मिसाल बन चुका है। यह केंद्र साबित कर रहा है कि अगर इच्छाशक्ति हो और ज़िम्मेदारी से कार्य किया जाए, तो सरकारी संसाधनों के माध्यम से भी आम जनता को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं दी जा सकती हैं।

रक्षाबंधन पर गरियाबंद में 'लोकल फॉर वोकल' की गूंज – कैट अध्यक्ष ने बांटी स्वदेशी राखियां, चीनी उत्पादों के बहिष्कार की अपील

गरियाबंद (गंगा प्रकाश)। रक्षाबंधन जैसे पावन पर्व पर जब बाजार सज चुके हैं और लोग राखियों की खरीदारी में जुटे हैं, ऐसे समय 'लोकल फॉर वोकल' अभियान को गरियाबंद में नई ऊर्जा मिली है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (ष्टद्भ) के जिला अध्यक्ष प्रकाश चंद रोहरा ने एक सराहनीय पहल करते हुए स्थानीय दुकानदारों को महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा तैयार की गई सुंदर-संस्कृतिक राखियां भेंट कीं।

इस अभियान के माध्यम से उन्होंने व्यापारियों से अपील की कि वे इस रक्षाबंधन पर चीन निर्मित राखियों का पूर्ण बहिष्कार करें और स्थानीय महिला समूहों द्वारा तैयार की गई स्वदेशी राखियों को बढ़ावा दें।

आत्मनिर्भरता की ओर कदम- प्रकाश चंद रोहरा ने कहा - इन राखियों को बेचकर हम न सिर्फ देशी व्यापार को मजबूत कर सकते हैं, बल्कि हजारों महिलाओं को रोजगार, आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता की राह पर अग्रसर कर सकते हैं। यही 'वोकल फॉर लोकल' की असली भावना है।

उन्होंने यह भी कहा कि स्व-सहायता समूहों की मेहनत और कला को प्रोत्साहन देना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। यदि दुकानदार इन राखियों को प्रमुखता से प्रदर्शित करें और ग्राहकों को इनके महत्व से अवगत कराएं, तो यह अभियान एक जनआंदोलन बन सकता है।

चेंबर मंत्री भी रहे साथ- इस मौके पर चेंबर ऑफ कॉमर्स के मंत्री विनय दासवानी भी उपस्थित रहे। उन्होंने भी स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने की जरूरत पर बल दिया और कहा कि व्यापारियों की भागीदारी से ही यह अभियान सार्थक हो सकता है।

कैट का राष्ट्रीय अभियान- प्रकाश रोहरा ने बताया कि यह पहल ष्टद्भ के राष्ट्रीय नेतृत्व के आव्हान पर की गई है। पूरे देश में यह प्रयास किया जा रहा है कि त्योहारों पर स्थानीय उत्पादों को वरीयता दी जाए, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती और स्थानीय हुनर को सम्मान मिल सके।

ग्राहकों से भी अपील- कैट अध्यक्ष ने आम ग्राहकों से भी अपील की कि वे बाजार में खरीदारी करते समय स्थानीय वस्तुओं को प्राथमिकता दें और विदेशी उत्पादों विशेषकर चीन से आने वाले सस्ते लेकिन टिकाऊ न होने वाले सामानों का बहिष्कार करें।

रक्षाबंधन पर हर राखी के साथ एक संदेश हो — आत्मनिर्भर भारत का।

'लोकल फॉर वोकल' सिर्फ नारा नहीं, एक राष्ट्रीय संकल्प है।

गरियाबंद में कलात्मक प्रतिभाओं का महासंग्राम: जिला स्तरीय कला उत्सव 7 अगस्त को

बच्चों की सांस्कृतिक प्रतिभा को मिलेगा मंच, पांचों विकासखंडों से चयनित प्रतिभागी होंगे शामिल

छुरा/गरियाबंद (गंगा प्रकाश)। बच्चों की साहित्यिक और सांस्कृतिक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शासन द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित किया जाने वाला जिला स्तरीय कला उत्सव इस वर्ष गरियाबंद में 7 अगस्त को आयोजित होने जा रहा है। यह आयोजन पीएम श्री स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम विद्यालय, गरियाबंद के भव्य प्रांगण में संपन्न होगा।

कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर पूरे जिले में उत्साह का माहौल है। शास्त्रीय संगीत में प्रवीणता को बढ़ावा देने हेतु कुल 12 कलाओं में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इनमें गायन, वादन, नृत्य, चित्रकला, रंगमंच, लोक कला, भाषण, एकांकी सहित विविध विधाओं में बच्चों को अपनी कला-कौशल का प्रदर्शन करने का अवसर मिलेगा।

इस अवसर पर जिले के पांचों विकासखंड ङ्क गरियाबंद, छुरा, मैनपुर, देवभोग एवं फिंगेश्वर से चयनित प्रतिभागी भाग लेंगे, जिन्होंने ब्लॉक स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिला स्तर तक अपनी जगह बनाई है। आयोजन न सिर्फ छात्रों को एक मंच देगा, बल्कि उनमें आत्मविश्वास, प्रतिस्पर्धा की भावना और सांस्कृतिक जागरूकता का संचार भी करेगा।

नोडल अधिकारी ज्ञानेन्द्र शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि यह उत्सव बच्चों को उनके अंदर छिपी कला को निखारने का एक सुनहरा अवसर प्रदान करेगा। वहीं, सहयोगी कपिल सिन्हा इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के शिक्षक अर्जुन धनंजय सिन्हा द्वारा किया जाएगा, जिनकी ओजस्वी मंच संचालन शैली हर वर्ष प्रतिभागियों और दर्शकों को मंत्रमुग्ध करती है।

प्रतियोगिता के निष्पक्ष मूल्यांकन हेतु निर्णायक मंडल में श्रीमती पुष्पांजलि सिन्हा और श्रीमती ओमेश्वरी वर्मा को जिम्मेदारी सौंपी गई है, जो कला क्षेत्र में अनुभवी और कुशल मानी जाती हैं।

क्या होगा खास?

12 कलात्मक विधाओं में सीधी टक्कर।
प्रतिभाशाली बच्चों का गरियाबंद में जुटान।
सांस्कृतिक रंगों में रंगा विद्यालय परिसर।
प्रतिभागियों को मिलेंगे प्रमाणपत्र व पुरस्कार।

इस आयोजन से यह स्पष्ट है कि गरियाबंद जिला शिक्षा के साथ-साथ कला और संस्कृति को भी गंभीरता से ले रहा है। यह उत्सव न केवल विद्यार्थियों की प्रतिभा को उड़ान देगा, बल्कि भविष्य के कलाकारों के लिए प्रेरणास्त्रोत भी बनेगा।

अधिक जानकारी हेतु संपर्क करें:

नोडल अधिकारी: ज्ञानेन्द्र शर्मा,सहयोगी: कपिल सिन्हा।

पुरानी रंजिश में युवक की हत्या, पुलिस टीम पर पथराव

बलौदाबाजार। बलौदाबाजार जिले के कसडोल थाना क्षेत्र में पुरानी दुश्मनी को लेकर दो गुटों में हुई झड़प के बाद एक युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई, जबकि उसका एक दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद जब पुलिस आरोपियों को पकड़ने पहुंची, तो ग्रामीणों ने पुलिस टीम पर पथराव कर दिया।

मिली जानकारी के अनुसार, झबड़ी गांव के नानू उर्फ त्रिलोक चंद कौशिक की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। वहीं, उसका दोस्त हेमचंद्र गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए रायपुर भेजा गया है। उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। यह विवाद कुछ दिनों पहले झबड़ी और मडकड़ा गांव के दो गुटों के बीच हुई मारपीट का नतीजा है। उस समय मृतक नानू ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर मडकड़ा के लकी केवट और अजय केवट पर हमला किया था, जिसकी शिकायत पुलिस में दर्ज कराई गई थी। आरोप है कि उस समय पुलिस ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की थी, जिससे दोनों गुटों के बीच तनाव बना हुआ था। बीती शाम, अजय और लकी केवट ने नानू और उसके दोस्त हेमचंद्र को अपने गांव के पास से गुजरते देखा। इसके बाद उन्होंने धारदार हथियार से उन पर हमला कर दिया। ग्रामीणों ने घायलों को तुरंत कसडोल के स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहाँ डॉक्टरों ने नानू को मृत घोषित कर दिया और हेमचंद्र को रायपुर रेफर कर दिया। घटना के बाद, कसडोल पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार करने मडकड़ा गांव पहुंची। लेकिन, ग्रामीणों ने पुलिस टीम को घेर लिया और पथराव शुरू कर दिया। पथराव में एसडीएम और एसडीओपी के वाहनों के शीशे टूट गए। काफी मशक्कत के बाद, पुलिस ने मुख्य आरोपी अजय केवट और लक्की केवट को गिरफ्तार कर लिया। गांव में अभी भी तनाव का माहौल है, जिसे देखते हुए सुरक्षा के लिए पुलिस बल तैनात किया गया है।

हर घर तिरंगा-हर घर स्वच्छता अभियान 08 से 15 अगस्त तक आयोजन के संबंध में कलेक्टर ने समय-सीमा की बैठक में दिए निर्देश

कोण्डागांव (गंगा प्रकाश)। कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना ने बुधवार को जिला कार्यालय के सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा बैठक शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन एवं निर्माण कार्यों के प्रगति की गहन समीक्षा की। कलेक्टर ने बैठक में जिले के विद्यालयों में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के सख्त निर्देश दिए और कहा कि शिक्षक समय पर उपस्थित हों और अध्यापन का कार्य बेहतर ढंग से करें। बैठक में 08 अगस्त से 15 अगस्त तक आयोजित हो रहे हर घर तिरंगा-हर घर स्वच्छता उत्सव, स्वच्छता के संग अभियान के संबंध में राज्य शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई और संबंधित विभागों को निर्धारित तिथि अनुसार विभिन्न गतिविधियों के आयोजन के निर्देश दिए गए। साथ ही स्वतंत्रता दिवस समारोह के सफल आयोजन हेतु विभिन्न विभागों को सौंपे गए जिम्मेदारियों का निर्वहन गंभीरता के साथ करने हेतु कहा गया।

कलेक्टर ने शिक्षा विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए पुस्तक वितरण के प्रगति की जानकारी ली और विद्यालयों में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए हरसंभव प्रयास करने हेतु जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया। उन्होंने खाद्य विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए राशन वितरण की प्रगति की जानकारी ली और सभी समितियों में मिलान कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने को कहा। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत कुल स्वीकृत कार्यों की प्रगति का विकासखण्डवार समीक्षा की। उन्होंने सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि घर बनाने हेतु प्राप्त राशि का किसी अन्य कार्यों में व्यय न हो, यह सुनिश्चित करें और हितग्राहियों को आवास बनाने हेतु प्रोत्साहित करें। उन्होंने माओवाद पीड़ित और आत्मसमर्पित व्यक्तियों के लिए स्वीकृत आवास कार्यों के निर्माण में आ रही दिक्कतों को दूर करते हुए उक्त सभी कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा करवाएं। उन्होंने जिले में मलेरिया उन्मूलन के लिए डोर टू डोर शतप्रतिशत सभी आवश्यक जांच करने हेतु स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग को समन्वित रूप से कार्य करने हेतु निर्देशित किया।

कलेक्टर ने विभिन्न विभागों के निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए अटल डिजिटल सेवा केन्द्र के भवन निर्माण कार्य के प्रगति की जानकारी ली और कार्य में तेजी लाने को कहा। इसके अलावा राष्ट्रीय राजमार्ग के कार्यों, विद्युत विभाग के सब स्टेशन निर्माण कार्य सहित अन्य विभागों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई, अपर कलेक्टर चित्रकांत चार्ली ठाकुर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

केन्द्रीय विद्यालय बेमेतरा के संचालन की तैयारियाँ अंतिम चरण में, कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा ने किया स्थल निरीक्षण एवं प्रवेश प्रक्रिया की समीक्षा

विद्यालय संचालन हेतु आवश्यक संसाधनों की सूची भी की गई संलग्न, जल्द प्रारंभ होगा नया शिक्षा सत्र

बेमेतरा, (गंगा प्रकाश)

जिले के शैक्षणिक परिदृश्य को एक नई ऊंचाई देने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए आज कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर बावामोहतरा का निरीक्षण किया।आगामी शिक्षा सत्र 2025-26 से केन्द्रीय विद्यालय बेमेतरा का संचालन प्रारंभ किया जाना है। निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य विद्यालय संचालन की तैयारियों की समीक्षा करना एवं कक्षा पहली से पाँचवीं तक के लिए प्राप्त प्रवेश आवेदनों की अंतिम दिन की स्थिति का मूल्यांकन करना था। इस दौरान एडीएम अनिल वाजपेयी, अपर कलेक्टर प्रकाश भारद्वाज, डीईओ कमल बंजारे, केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य गण, एवं

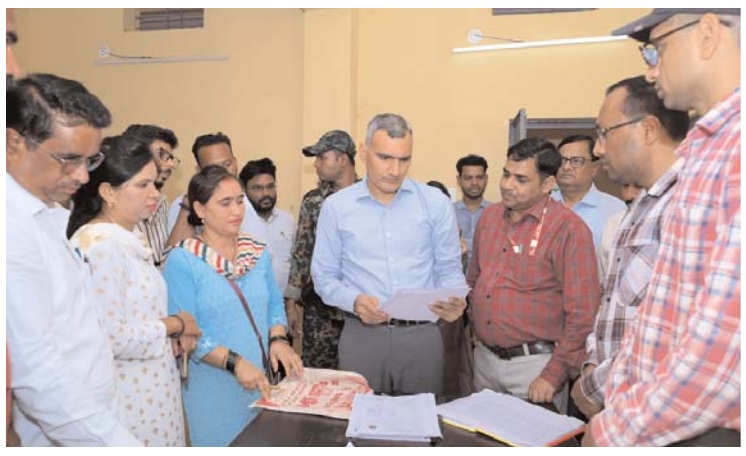

अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे । निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री शर्मा ने विद्यालय प्रबंधन से विस्तारपूर्वक चर्चा की और सभी प्राप्त आवेदन पत्रों का अवलोकन किया। उन्होंने प्रवेश प्रक्रिया की पारदर्शिता सुनिश्चित करते हुए प्रचार्यों को निर्देशित किया कि प्रत्येक अभिभावक और विद्यार्थी को समय पर तथा स्पष्ट सूचना प्रदान की जाए। इस संबंध में उन्होंने बताया कि प्रवेश प्रक्रिया की अनंतिम चयन सूची आगामी 11 अगस्त 2025, सोमवार को जारी की जाएगी, जिसे विद्यालय के नोटिस बोर्ड अथवा अन्य उपयुक्त माध्यमों से सार्वजनिक किया जाएगा। श्री शर्मा ने निर्देशित किया कि विद्यालय संचालन की दिशा में कोई भी कार्य लंबित न रहे। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक तौर पर कक्षा 1 से 5 तक की कक्षाओं का संचालन किया जाएगा, और भविष्य में छात्र संख्या एवं संसाधनों के अनुसार इसका विस्तार किया जाएगा। साथ ही, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि विद्यालय के सुचारूपूर्वक संचालन हेतु आवश्यक संसाधनों एवं सामग्रियों की सूची संलग्न की गई है, जिसे प्राथमिकता से पूर्ण किया जाना आवश्यक है। इसी बीच निरीक्षण के दौरान कलेक्टर रणबीर शर्मा ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बावामोहतरा के छात्रों से भी संवाद किया। उन्होंने बच्चों से विभिन्न विषयों पर सवाल पूछे और सही उत्तर देने वाले छात्रों को मिठाई वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने शिक्षकों को निर्देशित किया कि बच्चों की जिज्ञासा एवं ज्ञानवर्धन के लिए रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन नियमित रूप से किया जाए।

थाना भ्रमण पर पहुँचे आत्मानंद स्कूल के विद्यार्थी, सीखे पुलिस कार्यप्रणाली के गुर

देवभोग/गरियाबंद (गंगा प्रकाश)। गरियाबंद जिले के देवभोग थाना परिसर में आज आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, देवभोग के विद्यार्थियों को थाना कार्यप्रणाली से रूबरू कराया गया। इस शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को पुलिस के कार्य, कर्तव्य, कानून व्यवस्था और शिकायत निवारण प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। थाना प्रभारी समेत उपस्थित पुलिस अधिकारियों ने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें बताया कि पुलिस किस प्रकार अपराधों की रोकथाम, जांच और शांति व्यवस्था बनाए रखने का कार्य करती है। बच्चों को स्ट्रक्र दर्ज करने की प्रक्रिया, थाना डायरी, स्ष्ट, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट, सीसीटीवी निगरानी, हथियार कक्ष, हवालात, एवं डायल 112 जैसी त्वरित सेवा के बारे में बताया गया। इसके अलावा विद्यार्थियों को साइबर

अपराध, बाल सुरक्षा कानून (POCSO Act), ट्रैफिक नियमों, ड्रग्स के दुष्प्रभाव और समाज में पुलिस की भूमिका पर जागरूक किया गया। छात्रों ने भी उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछे, जिनका उत्तर अधिकारियों ने सरल और समझदारी भरे अंदाज में दिया। विद्यालय के शिक्षकगणों ने थाने की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण से बच्चों को व्यावहारिक ज्ञान मिलता है और उनमें समाज के प्रति जिम्मेदारी का भाव भी विकसित होता है। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने पुलिस विभाग का आभार व्यक्त किया और भविष्य में कानून का सम्मान करने तथा सामाजिक सुरक्षा में योगदान देने का संकल्प लिया।

बेतुका बयानबाजी के विरोध मे कांग्रेस ने फूंका स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल का पुतला

जाँच के बाद भी अफसरों पर कार्यवाही नहीं होना विभागीय मंत्री का सह तो नहीं? - कांग्रेस

कोंडागांव (गंगा प्रकाश)। कोंडागांव जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व मे कांग्रेसियों ने कांग्रेस भवन से निकलकर हाँथ मे पुतला लिए श्याम बिहारी मुर्दाबाद के नारों के साथ बस स्टैंड पहुंच मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल का पुतला फूंका, ज्ञात हो कि कोंडागांव जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा पिछले दिनों प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सीएमएचओ कार्यालय मे खड़ी एम्बुलेंस के साथ साथ अस्पताल परिसर मे फैली गंदगी स्वीपर नियुक्ति सहित लचर स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर सवाल उठाया था, मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के कोंडागांव आगमन पर जिला कांग्रेस कमेटी के प्रतिनिधियों ने इस विषय पर मंत्री जी से मुलाक़ात कर ज्ञापन भी सौंपा जहां पर मंत्री जायसवाल ने बीएस 04 गाड़ी के सुप्रीम कोर्ट से बैन होने का हवाला दिया और दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही की बात कही परन्तु ज़ब इसी विषय पर मीडिया ने सवाल किया तो बेतुका बयानबाजी करने लगे।कांग्रेस पार्टी मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के बयान की कडे शब्दों मे निंदा करती है आज पुतला दहन भी बयान के विरोध मे किया गया है।कांग्रेस ने कहा मंत्री जी बेतुका बयानबाजी करके बच नहीं सकते कहीं न कहीं भ्रष्टाचारियों को सह देने का काम मंत्री जी कर रहें हैं मामला स्वास्थ्य से जुडा है यहाँ भाजपा कांग्रेस न करते हुए जनता को स्वास्थ्य सुविधा का लाभ कैसे मिल पाए इस ओर ध्यान देनी चाहिए।मंत्री जी बीएस 4 वाहनों के प्रतिबंधित होने का हवाला दे रहें हैं, ज़ब वाहने खरीदी गयी थी तब तो वैध थीं कुछ वाहनों का ट्रेम्परी रजिस्ट्रेशन भी था अगर उस दौरान अवैध होती तो कोटेशन पास ही

नहीं हो पाता। रही बात भ्रष्टाचार की तो एम्बुलेंस केवल एक मद से नहीं खरीदी गयी है डीएमएफटी, रूबर्न मिशन, बस्तर विकास प्राधिकरण,एमडब्लूयु योजना, सांसद निधि, विधायक निधि से खरीदी गयी है, वैसे भी कोटेशन मंगाने से लेकर सम्पूर्ण कार्यवाही तो अधिकारी कर्मचारियों की होती है तो कहीं न कहीं अधिकारी कर्मचारियों के प्रशासनिक लापरवाही के चलते रजिस्ट्रेशन नहीं हो पाया और इसका लाभ जनता को नहीं मिल पाया। क्षेत्र की विधायिका सुश्री लता उसेंडी ने विधानसभा मे सवाल भी उठाये हैं विभाग के भ्रष्ट अधिकारी कर्मचारियों के खिलाफ जाँच पुरी होने के बाद भी कार्यवाही नहीं हो रही है करके कहीं स्वयं मंत्री जी के सह पर तो नहीं है।1 अप्रैल 2020 से बीएस4 वाहनों की बिक्री एवं रजिस्ट्रेशन बंद है तो उसके बाद बीएस4 वाहन खरीदी का सवाल ही नहीं है और इन कार्यालय मे धूल खा रही 09 एम्बुलेंस मे से बस्तर विकास प्राधिकरण से प्रदत्त एवं रूबर्न मिशन अंतर्गत प्रदत्त दो एम्बुलेंस 16 जनवरी 2021 की है वहीं विधायक निधि से प्रदत्त 32 लाख की सर्वसुविधायुक्त एम्बुलेंस 19 दिसंबर 2020 की है यानि ये तीन एम्बुलेंस तो बीएस 4 नहीं हो सकती है तो इन तीनों को क्या कार्यालय की शोभा बढ़ाने रखें हैं अधिकारी, मंत्री जी को जवाब देनी चाहिए। इन तीनों एम्बुलेंस के अतिरिक्त शेष खड़ी 6 एम्बुलेंस क्रमश: 2017,14 जून 2018,31 अगस्त 2018,27 अप्रैल 2018,27अप्रैल 2018, 27 दिसंबर 2019 को विभाग को विभिन्न मदों से प्रदत्त हैं इन वाहनों की खरीदी के समय रजिस्ट्रेशन के समय कहीं भी बीएस 4 वाली कंडीशन नहीं आई थी तो भ्रष्टाचार कहाँ और कैसे हुआ मंत्री जी को बताना होगा। इन गाड़ियों के रजिस्ट्रेशन की जिम्मेदारी विभाग की थी विभागीय अधिकारी कर्मचारीयों की प्रशासनिक लापरवाही के चलते जनता के पैसे का दुरूपयोग हुआ है और ये नई नवेली गाड़िया धूल खाते आज भी कबाड़ बनकर कार्यालय की शोभा बढ़ा रही हैं इन लापरवाह अधिकारी कर्मचारियों के विरुद्ध कार्यवाही कब करेंगे मंत्री जी ये बताओ। कांग्रेस सरकार मे भ्रष्टाचार हुआ है कहकर नहीं बचा जा सकता मंत्री जी ये स्वास्थ्य विभाग आपका है आपने पदभार संभालने के बाद आज तक क्या किया? जवाब दो मंत्री जी। पुतला दहन के दौरान जिलाध्यक्ष बुधराम नेताम, महामंत्री द्वय रितेश पटेल, जे पी यादव,सकुर खान, शहर अध्यक्ष नरेन्द्र देवांगन,भारत देवांगन, संजय करन,श्रीमती वर्षा यादव, हेमा देवांगन, ललिता नेताम, आरती नेताम, गुणमती नायक जनपद सदस्य लालमती देवांगन,प्रीति भदौरिया, अनीता पोयाम, लेखनी प्रधान,नीलू देवांगन,मंडल अध्यक्ष नंदू दीवान, इरशाद खान, ब्रिज सोढ़ी, शम्भू मरकाम, रितेश गोयल, गन्नू पोयाम, बब्बू दहिया,सुनील, रैकवार, रूपेश गोस्वामी, रविन्द्र दीवान,सहदेव पोयाम, देवेंद्र कोर्राम,शंकर मल्लिक,सनी चोपड़ा,डमरू यादव,लच्छन कोर्राम, बुधराम मरकाम सहित भारी संख्या मे कांग्रेस पदाधिकारी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बालिकाओं एवं महिलाओं के सशक्ति करण की दिशा में महिला एवं बाल विकास विभाग की पहल

15 दिवसीय नि:शुल्क प्रशिक्षण का समापन, स्तनपान सप्ताह पर व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बेमेतरा,(गंगा प्रकाश)

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा महिलाओं और किशोरी बालिकाओं के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण को लेकर चलाए गए 15 दिवसीय नि:शुल्क ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण का समापन ग्राम भिंभौरी के सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल में किया गया। यह प्रशिक्षण 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' योजना के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण केन्द्र (हब) द्वारा आयोजित किया गया था, जो कि कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री चंद्रबेश सिंह सिसोदिया के मार्गदर्शन में संचालित हुआ। इस प्रशिक्षण में कुल 34 इच्छुक किशोरी बालिकाओं एवं महिलाओं ने भाग लिया। मास्टर ट्रेनर श्रीमती संगीता सिंह द्वारा उन्हें थ्रेडिंग, हेयर कटिंग, फेशियल, मेकअप, ब्लीच, मैनीक्योर, पैडीक्योर, वैक्स आदि का व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। समापन अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष श्री संदीप परगनिहा एवं पार्षद श्री गोविन्द यदु द्वारा प्रशिक्षार्थियों को प्रशस्ति पत्र वितरित किए गए। इसी अवसर पर विश्व स्तनपान सप्ताह (1 से 7 अगस्त 2025) के अंतर्गत उप स्वास्थ्य केन्द्र

व आरएचओ के संयुक्त तत्वावधान में गर्भवती एवं शिशुवती माताओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इसमें माताओं को शिशु को जन्म के तुरंत बाद दिया जाने वाला पहला पीला गाढ़ा दूध (कोलेस्ट्रम) एवं 6 माह तक केवल स्तनपान कराने के महत्व की जानकारी दी गई। साथ ही 'रेडी टू ईट' पोषण आहार, तिरंगा भोजन, स्थानीय साग-सब्जियां और फ्लों के पोषण संबंधी लाभ बताए गए जिससे मां एवं बच्चा दोनों सुपोषित और स्वस्थ रहें। कार्यक्रम में संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने, मातृ मृत्यु दर एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने हेतु विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। इसमें प्रधानमंत्री मातृत्व वंदन योजना, महिला कोष की सक्षम योजना एवं ऋण योजना प्रमुख रहीं। 15 जुलाई से 15 अगस्त तक चल रहे विशेष पंजीकरण अभियान के अंतर्गत बताया गया कि पहली बार मां बनने पर 5000 रुपये की सहायता (3000 रुपये गर्भावस्था पंजीकरण के 6 माह बाद तथा 2000 रुपये 14 सप्ताह के टीकाकरण के बाद) तथा दूसरी बार बालिका जन्म लेने पर एकमुश्त 6000 रुपये की राशि प्रदान की जाती है। इच्छुक महिलाएं अपने नजदीकी आंगनबाड़ी केंद्र या मितानिन से संपर्क कर योजना का लाभ ले सकती हैं। इस अवसर पर उप स्वास्थ्य केन्द्र से सीएचओ श्रीमती गोदावरी वर्मा, आरएचओ श्री राकेश बन्छोर, जेंडर विशेषज्ञ श्रीमती सेवन्तिका साहू, सखी केसवर्कर तमन्ना, पर्यवेक्षक श्रीमती रश्मि वर्मा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता/सहायिकाएं तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण, पोषण जागरूकता और मातृ-शिशु स्वास्थ्य सुधार की दिशा में एक प्रभावी प्रयास के रूप में सराहनीय पहल रहा।

कोंडागांव से अयोध्या धाम के लिए तीर्थयात्रियों का जत्था रवाना

राम लला दर्शन योजना से जिले के 51 श्रद्धालु हुए लाभान्वित

कोंडागांव (गंगा प्रकाश)। राम लला दर्शन योजना के अंतर्गत कोंडागांव जिले से 51 श्रद्धालुओं का एक दल अयोध्या धाम के लिए मंगलवार की रात रवाना हुआ। श्रद्धालुओं के इस दल को कोंडागांव नगर के अंबेडकर चौक से रात्रि 9 बजे हरी झंडी दिखाकर बस्तर प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोंडागांव विधायक सुश्री लता उसेंडी ने रवाना किया। इस अवसर पर विधायक लता उसेंडी ने श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह योजना प्रदेशवासियों को अध्यात्मिक सशक्तिकरण और रामभक्ति से जोड़ने का एक ऐतिहासिक प्रयास है, जो मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की दूर दृष्टि और जनकल्याणकारी सोच का परिणाम है। श्रद्धालुओं का यह जत्था बस द्वारा राजनांदगांव तक की यात्रा करेगा, इसके पश्चात ट्रेन से अयोध्या धाम के लिए प्रस्थान करेगा। जत्थे में शामिल श्रद्धालु प्रभु श्रीराम के दर्शन को लेकर अत्यंत उत्साहित और भावविभोर नजर आए। सरगीपाल, कोंडागांव निवासी श्रीमती ननकी वैष्णव, जो

अपने पति के साथ यात्रा पर निकली हैं, भावुक होते हुए कहती हैं, यह मेरा पहला तीर्थयात्रा है और पहली ही बार में राम लला के दर्शन का सौभाग्य मिल रहा है। मैं बहुत खुश हूँ। अभी राखी का पर्व है, फिर भी इस यात्रा पर जा रही हूँ क्योंकि राखी हर साल आएगी, लेकिन रामलला के दर्शन का अवसर बार-बार नहीं मिलता। इसके लिए मैं मुख्यमंत्री जी की बहुत आभारी हूँ। जोहन बैद्य, ग्राम पेंड्रावन, ब्लॉक बड़ेराजपुर से यात्रा पर निकले श्रद्धालु कहते हैं, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुझे अयोध्या जाकर रामलला के दर्शन का मौका मिलेगा। यह सब मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल से संभव हो पाया है। मैं उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट करता हूँ। इसी प्रकार मसोरा निवासी उलेचंद पटेल ने भी रामलला के दर्शन को अपना सौभाग्य बताते हुए कहा, यह यात्रा मेरे जीवन का अविस्मरणीय क्षण है। भगवान राम के दरबार में हाजिरी देना हर भक्त का सपना होता है, और यह सपना मुख्यमंत्री जी की इस योजना के माध्यम से पूरा हो रहा है। फरसगांव की श्रीमती मीना देवी ने भी अपने भाव साझा करते हुए कहा, यह यात्रा मुख्यमंत्री के प्रयासों से ही संभव हुई है। हम सभी तीर्थयात्रियों को उनके प्रति आभार प्रकट करना चाहिए जिन्होंने हमें यह दुर्लभ अवसर दिया। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा राम लला दर्शन योजना के माध्यम से राज्य के हजारों श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम की यात्रा कराने की पहल की गई है। योजना का उद्देश्य नागरिकों को धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ना और आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करना है।

गरियाबंद में अवैध शराब के खिलाफबड़ी कार्रवाई : 14.50 लीटर हाथ भट्टी महुआ शराब जब्त, आरोपी गिरफ्तार

गरियाबंद (गंगा प्रकाश)। जिले में अवैध शराब के निर्माण और बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को एक बार फिर बड़ी सफलता मिली है। आबकारी विभाग ने देवभोग क्षेत्र के ग्राम छैलडोंगरी में दबिश देकर हाथ भट्टी महुआ शराब की अवैध बिक्री पर करारा प्रहार किया है। इस कार्रवाई में कुल 14.50 बल्क लीटर अवैध शराब जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

कार्यवाही की पूरी जानकारी:- जिला आबकारी अधिकारी गजेन्द्र कुमार सिंह के मार्गदर्शन में गठित विशेष टीम ने मंगलवार को सघन गश्त के दौरान छैलडोंगरी गांव में दबिश दी। यहां लक्ष्मीनारायण ध्रुव नामक व्यक्ति के कब्जे से अवैध हाथ भट्टी महुआ

शराब की भारी मात्रा बरामद की गई। आरोपी के खिलाफ छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम 1915 (संशोधित 2011) की धारा 34(1)(ख), 34(2) एवं 59(क) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर उसे गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

टीम ने दिखाई मुस्तैदी:- इस कार्रवाई में आबकारी विभाग की पूरी टीम ने बेहद चुस्ती और सूझबूझ के साथ काम किया। विशेषकर आबकारी उपनिरीक्षक कन्हैयालाल कुर्रे, नागेशराज श्रीवास्तव, रजत चंद ठाकुर, आरक्षक पिताम्बर चौधरी, नगर सैनिक मनीष कश्यप, महिला नगर सैनिक श्रीमती कामिनी सोनी और वाहन चालक कुलेश्वर निषाद की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

क्या बोले अधिकारी?- जिला आबकारी अधिकारी गजेन्द्र कुमार सिंह ने बताया - अवैध शराब के खिलाफजिलेभर में सख्त अभियान जारी है। यह कार्रवाई इसी कड़ी का हिस्सा है। ऐसे असामाजिक कार्यों में लिप्त व्यक्तियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। भविष्य में और भी कठोर कार्रवाई की जाएगी।

शासन की मंशा स्पष्ट:- आबकारी आयुक्त सह प्रबंध संचालक श्याम धावडे एवं कलेक्टर भगवान सिंह उईके के स्पष्ट निर्देश हैं कि जिले में अवैध शराब की रोकथाम को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। इससे जनस्वास्थ्य, सामाजिक शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहायता मिलेगी।

जिला जेल कोरबा से विचाराधीन 4 बंदी फरार, मचा हड़कंप

कोरबा। जिला जेल से चार विचाराधीन कैदियों के फरार होने की सनसनीखेज घटना सामने आई है। यह घटना शनिवार की है, जब चारों आरोपी सुरक्षा व्यवस्था को चकमा देकर जेल से भाग निकले। कैदी 25 फीट ऊपर से कूदकर भाग निकले। जैसे ही फरारी की सूचना सामने आई, जेल प्रशासन और पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया।

संपादकीय

भारत पर दबाव की नीति से काम कर रहे ट्रंप

पिछले कुछ समय से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह अलग-अलग देशों पर शुल्क लगाने की बात कर रहे थे, उसे कई अर्थों में दबाव की रणनीति माना जा रहा था। मगर इस मसले पर अब उन्होंने जिस तरह के फैसले लेने शुरू कर दिए हैं, उससे साफ है कि मनमाने तरीके से शुल्क लगाने के फैसले का इस्तेमाल किसी देश की नीति को प्रभावित करने के लिए एक औजार के तौर पर किया जा रहा है। इस क्रम में ट्रंप बीते दिनों बार-बार यह कहते रहे कि वे भारत से आयात किए जाने वाले उत्पादों पर भारी शुल्क लगाएंगे। मगर उनके बयानों में जैसे उतार-चढ़ाव देखे गए, उसके मद्देनजर यह उम्मीद की जा रही थी कि वे अपनी जिद पर विचार करेंगे और भारत को लेकर उदार रुख अपनाएंगे। खासतौर पर इसलिए भी कि बीते कुछ वर्षों के दौरान भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय संबंधों के नए दरवाजे खुले थे और थोड़ी सक्रियता बढ़ी थी। गौरतलब है कि व्यापार वार्ता के संदर्भ में अमेरिका और भारत के बीच जारी बातचीत में कुछ गतिरोध के संकेत सामने आने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने भारत से आयात की जाने वाली वस्तुओं पर एक अगस्त से पच्चीस फीसद शुल्क और रूस से तेल खरीदने पर जुर्माना लगाने की घोषणा कर दी। हालांकि यह कोई अचानक हुआ फैसला नहीं लगता है और ट्रंप ने इस बार सत्ता में आने के बाद से ही आयात पर शुल्क लगाने की घोषणाओं पर कुछ जगहों पर अमल करना शुरू कर दिया है। मसलन, कनाडा पर ट्रंप ने पैंतीस फीसद शुल्क लगाने की घोषणा कर दी थी, जबकि उस समय व्यापार वार्ता जारी थी और एक समझौता होने की उम्मीद थी। भारत पर भी पच्चीस फीसद शुल्क तब लगाने की बात कही गई, जब अमेरिका के साथ द्विपक्षीय अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर अंतिम दौर की कोशिशें जारी थीं। उल्लेखनीय है कि अमेरिका के वार्ताकारों का एक समूह पच्चीस अगस्त को भारत के दौरे पर आने वाला है जो प्रस्तावित व्यापार समझौते पर बातचीत के अगले दौर में हिस्सा लेगा। सवाल है कि व्यापार वार्ता के प्रयास जारी रहने और उसके निष्कर्ष तक पहुंचने से पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति को शुल्क लगाने की घोषणा करने की जल्दबाजी करने की जरूरत क्यों लगी।

'भगवा आतंकवाद' शब्द को गढ़ने वाले अब क्षमा मांगें

(प्रवीण गुगनानी)

2008 के बाद, विशेषकर 26/11 के मुंबई हमले से ठीक पहले, मालेगांव केस को आधार बनाकर कम्युनिस्ट रिमोटेड कांग्रेस्टिस्टों ने एक ऐसा नैरेटिव खड़ा किया था कि भारत में आतंकवाद को हिंदू संगठन बढ़ा रहें हैं। लेकिन यह एक वैचारिक आगजनी वाला झूठ था।

साध्वी प्रज्ञा जी ठाकुर को गंभीर स्थिति के कैंसर की स्थिति में भी कारावास में रखा गया, उन्हें अमानवीय यातनाएं दी गईं। क्या इस पीड़ा के लिए कोई जिम्मेदार ठहराया जाएगा? क्या झूठे मुक़दमों के लिए जांच एजेंसियों की जवाबदेही तय होगी? जब भगवा आतंकवाद जैसा शब्द जबरन गढ़ दिया गया था तब मैंने मेरी 'कांग्रेस मुक्त भारत की अवधारणा' पुस्तक में लिखा था कि 'भगवा आतंकवाद' जैसा कोई शब्द या टर्म हो ही नहीं सकता, यह एक 'अशब्द' है जिसे हमें बोलचाल, लेखन व विमर्श से निकला फेंकना होगा। इस शब्द को मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंग, केंद्र में एकाधिक विभागों के मंत्री रहे पी. चिदंबरम, तत्कालीन गृहमंत्री सुशील शिंदे और कांग्रेस ने केवल मोहरा बनकर गढ़ा था। इस शब्द के पीछे वस्तुतः तो वामपंथी छुपे हुए हैं जो प्रेत बनकर वेताल यानि कांग्रेस की पीठ पर अब भी सवार है। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनावों में जब भोपाल से साध्वी प्रज्ञा जी के विरुद्ध दिग्विजय सिंह चुनाव में उतरे थे तब उन्होंने समूचे चुनाव को 'भगवा आतंकवाद' को केंद्र में रखकर चुनाव लड़ा था। इस चुनाव के मध्य समाचार पत्रों में मेरा एक आलेख भी प्रकाशित हुआ था, जिसका शीर्षक था - 'भगवा आतंकवाद शब्द की अंत्येष्टि का सटीक समय'। इस चुनाव में जानता ने दिग्विजय सिंह को 'भगवा आतंकवाद' जैसा शब्द गढ़ने का यथोचित दंड दे दिया था। इस चुनाव में कम्युनिस्ट नेता सीताराम येचुरी भी भोपाल के सुंदर तालाब के किनारे पर बैठकर हिंदुत्व को मछली समझकर जाल डालकर बैठे हुए दिखे थे। उन्होंने भोपाल के ताल में एक नया शाब्दिक विष उँडेला था - 'हिंदू तो सदा से हिंसक रहा है'। अरे, दिग्विजय जी, येचुरी जी, सहित भगवा आतंकवाद शब्द के सभी कथित नेताओं सुनो; हिंदू सदा से सहिष्णु रहा है, इतना सहिष्णु कि कई अवसरों पर इसका भूगोल और इतिहास ही बदल गया और कई अवसरों पर इस 'हिंदू सहिष्णुता' ने हिंदूत्व के कुछ अध्यायों का समापन ही करवा दिया। यदि ऐसा नहीं होता तो, बाबर हजार मील दूर से भारत में आकर हमारे देश के आराध्य श्रीराम की जन्मभूमि पर बने मंदिर को नेस्तनाबूद कर बाबरी मस्जिद का निर्माण नहीं कर पाता। और, न ही दुर्दांत मुस्लिम शासक तैमुरलंग दिल्ली से हरिद्वार के समूचे मार्ग में हिंदू नरमुंड बिछा पाता, हिंदू हिंसक होता तो बख्तियार खिलजी भारतीय ज्ञान के प्रतीक, नालंदा को यूं आग के हवाले न कर पाता, न ही औरंगजेब काशी विश्वनाथ का मंदिर तोड़ पाता और न ही लाखों भारतीय मातृशक्ति को जौहर करने को मजबूर होना पड़ता। यदि हिंदू हिंसक होता तो गुरु गोविन्द सिंह के दोनों पुत्रों को जीवित दीवार में चुनकर मार डालने जैसी दुर्दांत घटना न हुई होती और न ही, मोहम्मद गजनवी श्रीकृष्ण जन्म स्थान को मथुरा में ध्वस्त कर कब्जा पाता। मालेगांव मामले में आए हुए निर्णय का मर्म यही है कि यदि हिंदू सहिष्णुता और उस पर हुए अत्याचारों का इतिहास और पढ़ना हो तो वे संत मतिदास को पढ़ लें, गुरु तेगबहादुर को पढ़ लें, जलियांवाला बाग़ पढ़ लें, भगतसिंह के बम फेंकने की मानवीय शैली पढ़ लें, भारत का धर्म आधारित विभाजन और उसके बाद यहां की भूमि पर मुस्लिमों की बसाहट व पाकिस्तान से हिन्दूओं का मारकाट भरा निर्वासन पढ़ लें, वे सोहरावरदी पढ़ लें, मोपला काण्ड पढ़ लें। और यदि पुराना इतिहास न पढ़ना हो 'भगवा आतंकवाद' की माला जपने वाले नेताओं को हाल ही का 'रामसेतु विध्वंस' 'भगवान राम को काल्पनिक कहने का शपथपत्र' और 'ऐन दीवाली की रात्रि पूज्य शंकराचार्य जी की गिरफ्तारी का तालिबानी आदेश' पढ़ लेना चाहिए। इन घटनाओं सहित लाखों अन्य इतिहास सिद्ध घटनाओं ने यह ब्रह्मसत्य स्थापित किया है कि हिंदू हिंसक नहीं सहिष्णु रहा है, क्षमाशील रहा है, सर्वसमावेश को, सर्वस्पर्श को आतुर व उत्सुक समाज रहा है! मालेगांव के संदर्भ में कांग्रेसी नेताओं द्वारा यह भी कहा गया था कि आतंकवादी घटनाओं में मुस्लिमों से अधिक हिंदू सम्मिलित रहते हैं। 2008 के बाद, विशेषकर 26/11 के मुंबई हमले से ठीक पहले, मालेगांव केस को आधार बनाकर कम्युनिस्ट रिमोटेड कांग्रेस्टिस्टों ने एक ऐसा नैरेटिव खड़ा किया था कि भारत में आतंकवाद को हिंदू संगठन बढ़ा रहें हैं। लेकिन यह एक वैचारिक आगजनी वाला झूठ था राजनीतिक लाभ के लिए रचा गया नैरेटिव, जिसकी कीमत निर्दोष हिंदुत्व के मासूम संतों, सैनिकों व नागरिकों ने चुकाई है। लेफ्ट-लिबरल मीडिया, कुछ स्वघोषित बुद्धिजीवी और वामपंथी इतिहासकारों ने इस नैरेटिव को खुलकर समर्थन दिया। प्रज्ञा ठाकुर, कर्नल श्रीकांत पुरोहित, स्वामी असीमानंद जैसे लोग, जो राष्ट्रवादी विचारधारा से जुड़े थे, उन्हें 'आतंकवादी' की तरह पेश किया गया, मीडिया ट्रायल चला, और तथाकथित सेकुलर ताकतों ने उनकी छवि को नष्ट-भ्रष्ट करने के प्रयास किए। साध्वी प्रज्ञा जी ठाकुर को गंभीर स्थिति के कैंसर की स्थिति में भी कारावास में रखा गया, उन्हें अमानवीय यातनाएं दी गईं। क्या इस पीड़ा के लिए कोई जिम्मेदार ठहराया जाएगा? क्या झूठे मुक़दमों के लिए जांच एजेंसियों की जवाबदेही तय होगी? अब जब सच्चाई सामने आ चुकी है, तो वे चुप हैं- कोई आत्मचिंतन नहीं, कोई क्षमा नहीं। यह उनकी नैतिकता की हार है और इस देश के विवेक के लिए एक चेतावनी भी। आज की आवश्यकता है कि वे हिंदू समाज से उनके द्वारा गढ़े गए छद्म शब्दों के लिए क्षमा मांगे और उनका उत्तरदायित्व हमारा समाज तय करे। कांग्रेस नेतृत्व को अपने इस झूठे नरैटिव गढ़ने के दोष हेतु देश से क्षमा माँगनी चाहिए। मालेगांव 2008, बम विस्फोट केस में कोर्ट द्वारा सभी आरोपियों को बाइज़्ज़त बरी कर देना एक बहुत बड़ा न्यायिक पड़ाव है - न केवल उन निर्दोषों के लिए, जिन्होंने वर्षों तक अपमान, पीड़ा और मानसिक प्रताड़ना को भोगा, बल्कि यह भारत की लोकतांत्रिक चेतना के लिए भी एक महत्वपूर्ण मोड़ है। न्यायालय ने स्पष्ट कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपों को साबित करने में असफल रहा। अब जब न्यायपालिका ने अपना निर्णय सुना दिया है, तब समय आ गया है कि इस केस के जरिए रची गई उस सुनियोजित 'राजनीतिक कथा' का गहराई से विश्लेषण किया जाए - जिसे 'हिंदू आतंकवाद' कहा गया था। इस अभियान का मकसद स्पष्ट था – 'जिहादी आतंकवाद' से ध्यान हटाना और राष्ट्रवादी शक्तियों को कठघरे में खड़ा करना। उस समय पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद, विशेषकर मुंबई हमलों, संसद हमले, और कंधार कांड जैसे मामलों ने कांग्रेस सरकार की अंतरराष्ट्रीय छवि को प्रभावित किया था। ऐसे में उन्होंने एक नया नैरेटिव गढ़ा, जिसमें कुछ राष्ट्रवादी चेहरों को आतंकवादी घोषित करके यह दिखाया जाए कि भारत में आतंकवाद केवल एक समुदाय तक सीमित नहीं है। सोलह वर्षों तक झूठे मुक़दमों का सामना करने के बाद जब आरोपी बरी हो गए, तब न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि मामले में कोई प्रत्यक्ष सबूत नहीं था। अब प्रश्न यह है कि क्या यह सब केवल भूल थी, या किसी बड़ी राजनीतिक साजिश का हिस्सा? (लेखक विदेश मंत्रालय, भारत सरकार में सलाहकार, राजभाषा है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

राजमार्गों पर सुरक्षा मानदंडों की हो रही अनदेखी

देश में जब राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया जा रहा था, तब यह उम्मीद जताई गई थी कि ये आवाजाही के सुगम और सुरक्षित मार्ग साबित होंगे। कई लेन में आने-जाने के लिए बनीं चौड़ी सड़कों ने तेज रफ्तार को मानो नए पंख दे दिए। कम समय में गंतव्य तक पहुंचने की चाह रखने वालों की बरसों पुरानी इच्छा पूरी हो गई। लोग कुछ ही घंटे में सैकड़ों किलोमीटर की यात्रा पूरी करने लगे। मगर यह सुगम मार्ग सुरक्षित नहीं रहा। आज स्थिति यह है कि चालक गति सीमा तोड़ कर वाहन चलाने लगे हैं। इस दौरान वे कई नियमों की अनदेखी करते चले जाते हैं। नतीजा यह कि हादसे से बचने के लिए उन्हें ब्रेक लगाने तक का समय नहीं मिलता। राजमार्गों पर अचानक ब्रेक लगाना न केवल चालक के लिए, बल्कि दूसरे वाहन चालकों के लिए भी जानलेवा बन जाता है। ऐसी सड़कों पर तेज रफ्तार और अचानक ब्रेक लेने से बढ़ रहे हादसों ने कई सवाल खड़े किए हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में कोयंबटूर में हुई एक दुर्घटना की सुनवाई के दौरान शीर्ष न्यायालय ने एक महत्त्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने अपने निर्णय में कहा है कि हाइवे पर बिना कोई चेतावनी दिए अचानक ब्रेक लगाना लापरवाही मानी जाएगी। इसमें कोई दोराय नहीं कि कोई वाहन चालक अगर राजमार्ग पर गाड़ी रोकना चाहता है, तो पीछे आ रही गाड़ियों को संकेत देना चाहिए। शीर्ष अदालत का कहना उचित है कि आपात स्थिति में भी कोई अचानक ब्रेक लगा देता है, तो यह गैर-जिम्मेदाराना है। सामान्य स्थितियों में यह जरूरी होना चाहिए कि तेज रफ्तार वाहन ब्रेक लगाने से पहले चेतावनी संकेत दें। यों यह भी सच है कि राजमार्गों पर तेजी से वाहन दौड़ा रहे चालक आमतौर पर दूसरी गाड़ियों से सुरक्षित दूरी बना कर नहीं चलते। यह एक सबसे खतरनाक स्थिति है। 'हाइवे रोड सेफ्टी रपट 2021' के मुताबिक राजमार्गों पर होने वाले सभी दुर्घटनाओं में 74.4 फीसद हादसे गति सीमा से अधिक वाहन चलाने के कारण होते हैं।

पाक परमाणु ठिकानों को पल भर में मिट्टी में मिला देगी भारत की हाइपरसोनिक बंकर बस्टर मिसाइल

(नीरज कुमार दुबे)

बताया जा रहा है कि डीआरडीओ की यह नई मिसाइल भारत की अग्नि- बैलिस्टिक मिसाइल का संशोधित संस्करण हो सकती है। इसकी गति की बात करें तो यह हाइपरसोनिक है यानि ध्वनि की गति से पांच गुना अधिक से दौड़ेगी। हाल ही में अमेरिका ने अपनी अत्याधुनिक बंकर बस्टर बम का उपयोग कर ईरान के भूमिगत परमाणु केंद्रों को निशाना बनाया था। इसने विश्व को यह दिखाया था कि अत्यधिक संरक्षित और गहराई में स्थित ठिकाने भी सुरक्षित नहीं हैं। इसी पृष्ठभूमि में भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन की हाइपरसोनिक मिसाइल पर काम करने की खबरें सामरिक हलकों में चर्चा का विषय बनी हुई हैं। हम आपको बता दें कि यह मिसाइल बंकर बस्टर वारहेड ले जाने में सक्षम होगी और गहरे भूमिगत ठिकानों को नष्ट कर सकेगी। यह खबर सामने आने के बाद से पाकिस्तान की चिंता बढ़ी हुई है क्योंकि उसके कई परमाणु प्रतिष्ठान भूमिगत बंकरों में स्थित हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यह मिसाइल पाकिस्तान के परमाणु ठिकानों को आसानी से निशाना बना सकती है। देखा जाये तो भारत की यह उपलब्धि दक्षिण एशिया में सामरिक संतुलन को गहराई से प्रभावित कर सकती है।

बताया जा रहा है कि डीआरडीओ की यह नई मिसाइल भारत की अग्नि- बैलिस्टिक मिसाइल का संशोधित संस्करण हो सकती है। इसकी गति की बात करें तो यह हाइपरसोनिक है यानि ध्वनि की गति से पांच गुना अधिक से दौड़ेगी। यह पारंपरिक बंकर बस्टर है और लगभग 7,500 किलोग्राम का वारहेड ले जाने में सक्षम है। इसकी भेदन क्षमता 200 फीट तक भूमिगत प्रवेश कर विस्फोट करने की बताई जा रही है। इसकी रेंज लगभग 2,500 किलोमीटर होगी। हम आपको बता दें कि भारत के पास अमेरिका या रूस की तरह महंगे स्टेल्थ बॉम्बर नहीं हैं। इसलिए मौजूदा लड़ाकू विमानों से बंकर बस्टर बम गिराना जोखिमपूर्ण होगा क्योंकि वे दुश्मन के राडार पर आ जाएंगे। परन्तु मिसाइल आधारित प्लेटफॉर्म भारत को सुरक्षित दूरी से गुप्त और सटीक हमले की क्षमता देगा। हम आपको यह भी बता दें कि भारत की यह मिसाइल क्षमता उसकी सामरिक बढ़त को काफी बढ़ा देगी। साथ ही इससे पाकिस्तान की न्यूक्लियर ब्लैकमेल रणनीति भी ध्वस्त हो जायेगी। इस मिसाइल के जरिये भारत सुरक्षित दूरी से दुश्मन के परमाणु ठिकानों को निशाना बना सकेगा। इस मिसाइल का विकास चीन पर भी एक रणनीतिक दबाव बनाएगा। जहां तक इस मिसाइल से पाकिस्तान की चिंता की बात है तो आपको बता दें कि पाकिस्तान की सामरिक मामलों की विशेषज्ञ राबिया अख्तर ने 'डॉन' अखबार में लिखा है कि भारत का यह कदम पारंपरिक और परमाणु रणनीति के बीच की रेखा को धुंधला कर सकता है। पाकिस्तान का कहना है कि यदि भारत इस तरह की मिसाइलों का इस्तेमाल उसके परमाणु ठिकानों पर करता है, तो यह किसी भी दृष्टिकोण से परमाणु प्रथम-हमले जैसा लगेगा, भले ही वारहेड पारंपरिक ही क्यों न हो। राबिया अख्तर ने चेतावनी दी है कि किसी भी परमाणु-सशस्त्र देश के लिए यह मायने नहीं रखेगा कि वारहेड पारंपरिक है या परमाणु। यदि कोई हाई-स्पीड बैलिस्टिक मिसाइल उसके परमाणु प्रतिष्ठानों पर दागी जाती है, तो इसे परमाणु हमले की शुरुआत माना जाएगा। उन्होंने यह भी आशंका जताई कि ऐसी स्थिति में पाकिस्तान अपनी सामरिक या रणनीतिक परमाणु हथियारों का तुरंत इस्तेमाल कर सकता है। हम आपको यह भी बता दें कि भारत ने हमेशा यह घोषित नीति अपनाई है कि वह परमाणु हथियारों का पहले उपयोग नहीं करेगा। लेकिन बंकर बस्टर मिसाइलें इस नीति के तहत नहीं आती हैं।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5812

4		6		2				
	8		4				9	3
3				8	5			2
7		9						8
	5			7			4	
6						7		1
9			2	4				5
2	6				8		7	
				3		1		9

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5811

1	9	8	7	5	6	4	3	2
3	2	6	1	9	4	8	5	7
5	4	7	3	2	8	1	6	9
2	6	9	5	1	7	3	8	4
7	1	3	4	8	9	5	2	6
4	8	5	6	3	2	7	9	1
9	3	2	8	4	1	6	7	5
6	5	4	9	7	3	2	1	8
8	7	1	2	6	5	9	4	3

वर्ग पहेली 5812

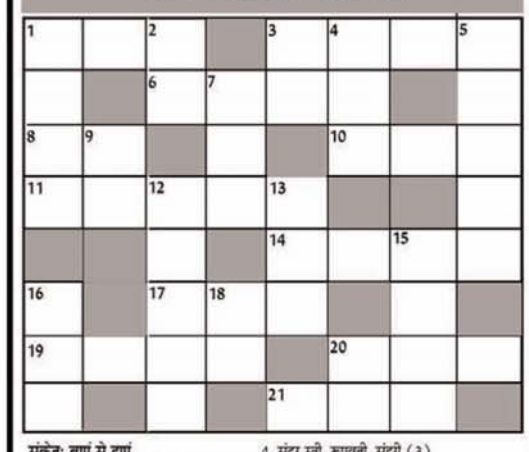

संकेत: बाएं से दाएं
1. 1967 को यह देश ब्रिटेन से आजाद हुआ (3)
3. दयालु, कृपालु, ईश्वर का एक नाम (4)
6. कोई बात धीरे से कान के पास आकर कहना, फुसफुसाहट (4)
8. विभावरी, रजनी, निशा, रात्रि (2)
10. नासमझ, भोला (3)
11. आर.के.बैनर की बरसात फिल्म से अपना सरगमी सफर शुरू करने वाली जोड़ी में से एक (5)
14. शरारती, अति चंचल, उपद्रवी (4)
17. लालू यादव वाली पार्टी का संक्षिप्त नाम (3)
19. मवेशी, पशु, शम्मी कपूर राजश्री, राजेंद्र नाथ, पृथ्वीराज कपूर आदि की भूमिकाओं वाली सफल फिल्म (1965)(4)
20. अंक, क्रोड, गोद, बगल (3)
21. घोड़े पर खेला जाने वाला गेंद बल्ले का खेल, पोलो (3)

संकेत: ऊपर से नीचे
1. राजकुमार, राजपुत्र, राजकुंवर (4)
2. लुटेरों द्वारा किया गया धावा कर माल, असबाब की लूट (2)
3. किसी जले या फटे हुए कपड़ों को धागा भरकर उसे बंद करना (2)
4. सुंदर स्त्री, रूपवती, सुंदरी (3)
5. दृगचल, पलक (5)
7. अभियोग, मुकदमा (3)
9. निश्चित किया हुआ, निर्णीत (2)
12. अल्प वयस्क होने की अवस्था (5)
13. जो रिश्ते में पति की बहन हो (3)
15. यह मध्यप्रदेश के अंचल पश्चिमी निमाड़ का एक जिला है (4)
16. नमाज की सूचना के शब्द जो पुकारे जाते है (3)
18. धन-संपत्ति, स्वर्ण, दौलत, वृद्धावस्था, संपत्ति (2)
20. पुरानी फिल्मों के एक प्रसिद्ध हास्य अभिनेता (निधन 30 अप्रैल 1992) इनका बेटा भी प्रसिद्ध निर्देशक-अभिनेता (दिवंगत) रह चुका है (2)

वर्ग पहेली 5811 का हल

अ	ट	ल	बि	हा	री		म
दा		ता	ज		त	ला	क
ल	घु		ली	ल	ना		स
त		मा				प	द
	स		र	ह	म	त	
सो	पा	न		रा	ज	न	
म		ज		र	मा		स्पे
	न	फ	र	त		शा	न

आज का राशिफल

मेष
आज समाज में आपके मान-सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इसी के चलते आपका मन भी प्रसन्न रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपका प्रभाव बढ़ेगा और किसी उच्च अधिकारी की मदद से आपको लाभ प्राप्त हो सकता है। साथ ही, इससे धन लाभ के भी शुभ योग बनेंगे। व्यापार में आपको लाभ कमाने के नए अवसरों को पहचानना होगा। इससे आपकी प्रसिद्धि में भी वृद्धि होगी।

वृष
आज मिले जुले परिणामों वाला रहेगा। अगर कार्यक्षेत्र में लंबे समय से आपके जरूरी कार्य बीच में अटके थे, तो अब वे पूरे हो सकते हैं या गति पकड़ सकते हैं। आप कुछ अच्छे कार्य कर सकते हैं और शुभ स्थानों पर व्यय कर सकते हैं। इससे आपकी प्रसिद्धि में भी वृद्धि होगी। संतान की ओर से कोई शुभ समाचार सुनने को मिल सकता है और किसी धार्मिक यात्रा पर जाने की योजना बनकर स्थगित हो सकती है।

मिथुन
आज आपके विरोधियों की संख्या बढ़ सकती है और वे कोई रणनीति भी बना सकते हैं। ऐसे में आपको सावधान रहना होगा और सोच-समझकर फैसले लेना बेहतर होगा।व्यवसाय में भी सावधानी बरतनी होगी और जोखिम भरे कार्यों व निर्णयों से दूरी बनाकर रखें। परिवार में माता की सेहत पर विशेष ध्यान दें।

तुला
आज कार्यक्षेत्र में लंबे समय से किसी बात या काम को लेकर तनाव चल रहा था, तो वह आज कम हो सकता है। इसी के चलते आपको पूरे दिन सुख-शांति का अनुभव होगा। राशि का स्वामी चन्द्रमा के पंचम भाव में होने से आपके पराक्रम में वृद्धि हो सकती है और कोर्ट में कोई मामला चल रहा है तो उसमें भी सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का आपको पूरा सहयोग प्राप्त होगा।

वृश्चिक
आज कामकाज के सिलसिले में ज्यादा व्यस्त रह सकते हैं। इसी के चलते थोड़ा तनाव भी बना रहेगा। व्यापार के मामले में आपको धैर्य और संयम के साथ निर्णय लेने होंगे, अन्यथा नुकसान हो सकता है। किसी भी करीबी या प्रियजन व्यक्ति के साथ विवाद में उलझने से बचें। वरना रिश्तों में खटास आ सकती है। स्वास्थ्य पर भी खास ध्यान देने की जरूरत है।

धनु
आज भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। आपको हर कार्य में सफलता प्राप्त होगी। साथ ही, संपत्ति और जमीन से जुड़े कार्यों में आपको अपनी कल्पना से भी ज्यादा लाभ प्राप्त हो सकता है। किसी ऐसे व्यक्ति से आपकी मुलाकात हो सकती है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। नौकरी करने वालों को कार्यस्थल पर उच्च अधिकारियों की मदद से बड़ा लाभ प्राप्त हो सकता है।

कर्क
आज दिन भाग्यशाली रहने वाला है, जिससे जरूरी कार्यों में सफलता प्राप्त हो सकती है और कार्यक्षेत्र में भी कामकाज अच्छा चलेगा। चन्द्रमा चतुर्थ भाव में होने से आपको अचानक कहीं से बड़ी मात्रा में धन लाभ हो सकता है। इससे जोड़े गए पैसों में भी वृद्धि होगी। शाम के समय कोई शुभ समाचार सुनने को मिल सकता है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

सिंह
आज कारोबार में अगर कोई काम खराब चल रहा है, तो आपको उसे सुधारने पर ध्यान देना होगा। व्यापार में आपको अपनी अपेक्षा के अनुसार धम लाभ हो सकता है। इससे मनोबल में वृद्धि होगी। नौकरी करने वालों के लिए भी समय अनुकूल रहेगा और घर में पत्नी या संतान पक्ष की ओर से कोई अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है। आपके वैवाहिक जीवन में भी खुशहाली आएगी।

कन्या
आज आपको राजनीतिक क्षेत्रों में कार्य करने का सुनहरा अवसर प्राप्त हो सकता है। साथ ही, सांसारिक सुख और साधनों में वृद्धि होगी। परिवार में भी सुख-शांति और समृद्धि आने के शुभ योग बन रहे हैं। शाम के समय आपकी मुलाकात किसी खास और महान व्यक्ति से हो सकती है।

मकर
आज आपको सावधान रहना होगा। अनावश्यक चीजों पर धन ज्यादा खर्च हो सकता है। ऐसे में सोच-समझकर फैसले लें। कामकाज के सिलसिले में दूर या पास की किसी यात्रा का प्लान बन सकता है। परिवार में जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें। हालांकि, शाम के समय आपको कुछ शुभ समाचार सुनने को मिल सकते हैं, जिससे मन को संतोष मिलेगा।

कुंभ
आज अगर लंबे समय से आपका धन कहीं अटका हुआ था तो वह अब वापस मिल सकता है। इससे जीवन में खुशियां आएंगी। साथ ही, आपको उत्तम संपत्ति की प्राप्ति भी हो सकती है। किसी अनुभवी व्यक्ति सलाह और अपनी बुद्धिमानी से आप कठिन से कठिन समस्याओं का भी समाधान कर पाएंगे। कामकाज के सिलसिले में दूर या पास की किसी यात्रा का प्लान बन सकता है।

मीन
आज समय अनुकूल रहेगा। आपके लिए आय के नए स्रोत खुल सकते हैं, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। अगर कार्यस्थल लंबे समय से विरोधियों के चलते तनाव बना हुआ था, तो अब आपकी जीत हो सकती है। किसी नए व्यक्ति से मुलाकात और दोस्ती हो सकती है। व्यापार के मामले में समय का लाभ उठाना लाभकारी होगा।

जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने की पहल, जिले में 'मोर गांव मोर पानी' अभियान के तहत जल संरचनाओं का निर्माण तेज़

कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा के मार्गदर्शन में जल संरक्षण कार्यों को मिल रही नई दिशा

बेमेतरा,(गंगा प्रकाश) जल संरक्षण आज केवल एक पर्यावरणीय आवश्यकता नहीं, बल्कि सतत विकास और भावी पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा एक संवेदनशील विषय बन चुका है। इसी दृष्टिकोण से कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा के मार्गदर्शन और नेतृत्व में जिले में जल संरक्षण के क्षेत्र में बहुआयामी प्रयास किए जा रहे हैं। प्रशासन द्वारा सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ जल संरक्षण के कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया है, जिसके सकारात्मक परिणाम ग्रामीण अंचलों में स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे हैं।

इस क्रम में 'मोर गांव मोर पानी' अभियान को विशेष रूप से प्रभावशाली रूप में लागू किया जा रहा है, जिसके माध्यम से न केवल संरचनात्मक कार्य किए जा रहे हैं, बल्कि जन सहभागिता को भी सुनिश्चित किया जा रहा है। ग्राम पंचायतों के माध्यम से ग्रामीणों को जल संरक्षण की आवश्यकता और तकनीकी विधियों की जानकारी दी जा रही है। इसके लिए विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन कर ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों और क्रियान्वयन एजेंसियों को प्रशिक्षित किया गया है, ताकि वे स्थानीय स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन कर सकें।

विशेष रूप से ग्राम पंचायत तिलई (जनपद पंचायत बेरला) में जल संरक्षण हेतु उल्लेखनीय कार्य किए गए हैं। यहाँ रिचार्ज पिट, तालाब गहरीकरण, और नवीन तालाब निर्माण जैसे कार्य सफलतापूर्वक संपन्न किए गए हैं। ये संरचनाएं न केवल वर्षा जल के संचयन में मददगार हैं, बल्कि भूजल स्तर को पुन: भरने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।यह अभियान जिले के अन्य ग्राम पंचायतों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन रहा है। जिला प्रशासन का उद्देश्य है कि प्रत्येक ग्राम पंचायत अपने क्षेत्र में जल संरक्षण की दिशा में ठोस और दीर्घकालीन प्रयास करे।

कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा ने कहा कि जल ही जीवन है यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। जिला प्रशासन की ओर से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि जल संरक्षण कार्य केवल सरकारी योजनाओं तक सीमित न रह जाएं, बल्कि इसे जन आंदोलन के रूप में विकसित किया जाए। 'मोर गांव मोर पानी' जैसे अभियान इसी दिशा में एक ठोस कदम हैं।जल संरक्षण के प्रति इस सजगता और सक्रियता से न केवल पर्यावरणीय संतुलन बेहतर होगा, बल्कि ग्रामीणों की जल संबंधी समस्याओं का भी स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जा सकेगा। आने वाले समय में यह पहल बेमेतरा को जल-सुरक्षित जिला बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

वितरण कंपनी में करोड़ों रुपये के एबीसी केबल घोटाले का खुलासा

कोरबा। सीएसईबी के मुख्यालय से आई टीम ने वितरण कंपनी में करोड़ों रुपये के एबीसी केबल घोटाले का खुलासा किया है। रायपुर की इस जांच टीम ने पाया कि ठेकेदारों ने बिजली अधिकारियों के साथ मिलकर घटिया गुणवत्ता के केबल लगाए, जिससे बिजली आपूर्ति बार-बार बाधित हो रही है। इस मामले में जांजगीर के कार्यपालन अभियंता एचके मंगेशकर और कोरबा के अभिमन्यु कश्यप को निलंबित कर दिया गया है। साथ ही, जांजगीर के सहायक अभियंता नरेश देवांगन का तबादला बलौदा कर दिया गया। बिलासपुर और मुंगेली में जांच जारी है, और अन्य अधिकारियों पर भी कार्रवाई की तलवार लटक रही है। घटिया क्वालिटी के लगाए गए केबल पिछले दो दिनों के भीतर रायपुर से गठित चार कार्यपालन अभियंताओं की टीम ने बिलासपुर और मुंगेली में सघन जांच की। बिलासपुर के सेंदरी और मुंगेली के स्टोर में रखे केबल, कंडक्टर और ट्रांसफार्मर के डीपी चैनल की जांच की गई। सैंपल लेने के बाद दोनों स्टोर सील कर दिए गए। जांच में पाया गया कि ठेकेदारों ने आईएसआई मार्क और बीआईएस प्रमाणित केबल की शर्तों का उल्लंघन करते हुए घटिया और स्थानीय ब्रांड के केबल इस्तेमाल किए। इन केबलों का इंसुलेशन जल्दी पिघल रहा है, जिससे बारिश में फाल्ट और स्पार्किंग की घटनाएं बढ़ गई हैं। ठेकेदारों को किया जा रहा ब्लैक लिस्टेड घटिया केबल आपूर्ति के लिए ठेकेदारों पर भी सख्ती शुरू हो गई है। दिल्ली की एथटी इलेक्ट्रिकल्स और जांजगीर के भुवनेश्वर साहू को शो-कॉज नोटिस जारी किया गया है। जानकारी मिली है कि कंपनी मुख्यालय ने इन ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुणे की एसटी इलेक्ट्रिकल्स पर धीमे और खराब काम के लिए 20 लाख रुपये का जुर्माना लगाया जा चुका है। जांच में यह भी सामने आया कि कई जगहों पर केबल लगाए बिना ही ठेकेदारों को पूरा भुगतान कर दिया गया।

जांच टीमें अब भी बिलासपुर, मुंगेली, कोरबा और जांजगीर में सक्रिय हैं। बिलासपुर में 66.72 करोड़, कोरबा में 77 करोड़ और मुंगेली-पेंड्रा में 25.37 करोड़ रुपये की लागत से लगाए गए केबल की गुणवत्ता की जांच की जा रही है। सेंदरी (बिलासपुर) और मुंगेली के स्टोरों में सामान की सैंपलिंग के बाद सीलिंग की गई। जांच में शामिल अधिकारियों में बिलासपुर के एमएम चंद्राकर, पीके सिंह, धर्मेंद्र भारती और नवीन राठी थे। स्थानीय स्तर पर अधीक्षण यंत्री पीआर साहू, कार्यपालन यंत्री हेमंत चंद्राकर और एमके पाण्डेय भी जांच में शामिल रहे।

श्री रामलला दर्शन योजना अंतर्गत जिले से 62 तीर्थयात्री अयोध्या धाम के लिए हुए रवाना

अधिकारियों ने किया हरी झंडी दिखाकर रवाना, श्रद्धालुओं में दिखा उत्साह

बेमेतरा,(गंगा प्रकाश) छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी श्री रामलला दर्शन योजना (अयोध्या धाम) के अंतर्गत जिले से चयनित श्रद्धालुओं का दल आज कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा के मार्गदर्शन में अयोध्या धाम के लिए रवाना हुआ। इस योजना के अंतर्गत शासन द्वारा 62 तीर्थयात्रियों (जिसमें 02 अनुरक्षक शामिल हैं) का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इस लक्ष्य के अनुसार जिले के जनपद पंचायत बेमेतरा, साजा, बेरला, नवागढ़ से 48 तीर्थयात्री तथा नगर पालिका परिषद् बेमेतरा एवं नगर पंचायत थानखम्हरिया, नवागढ़, भिमौरी, कुसमी एवं दाढ़ी से 12 तीर्थयात्री चयनित किए गए।

प्रात: 07 बजे सभी तीर्थयात्रियों का स्वास्थ्य परीक्षण कलेक्टोरेट भवन के दृष्टि सभाकक्ष में किया गया। इसके बाद 07:30 बजे जिला कलेक्टोरेट परिसर से मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत प्रेमलता मंडावी, अपर कलेक्टर श्री अनिल वाजपेयी तथा उप संचालक समाज कल्याण विभाग के द्वारा हरी झंडी दिखाकर श्रद्धालुओं को दो बसों के माध्यम से राजनांदगांव रेलवे स्टेशन के लिए रवाना किया गया। तत्पश्चात श्रद्धालुओं को नगर पालिका अध्यक्ष श्री विजय सिन्हा, जनपद पंचायत बेमेतरा अध्यक्ष श्रीमती हेमा दिवाकर, अपर कलेक्टर, सीईओ जिला पंचायत एवं समाज कल्याण उपसंचालक द्वारा सम्मानपूर्वक विदाई दी गई।

श्रद्धालुओं में उत्साह और श्रद्धा का विशेष भाव देखा गया। सभी यात्रीगण निर्धारित कार्यक्रमानुसार राजनांदगांव रेलवे स्टेशन से विशेष रेलगाड़ी द्वारा अयोध्या धाम में श्री रामलला के दर्शन हेतु रवाना हो चुके हैं। यात्रा पूर्ण होने के पश्चात यह दल 09 अगस्त 2025 की देर रात तक बेमेतरा लौटेगा।

यह आयोजन कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा के मार्गदर्शन में सुचारु रूप से संपन्न हुआ, जिसमें प्रशासन की ओर से सुरक्षा, स्वास्थ्य और सुविधा की सभी आवश्यक तैयारियाँ सुनिश्चित की गईं थीं। श्री रामलला के दर्शन हेतु रवाना हुए श्रद्धालुओं ने प्रदेश शासन और जिला प्रशासन का आभार प्रकट किया।

मतदान केन्द्रों के पुनर्गठन को लेकर राजनीतिक दलों की बैठक सम्पन्न

कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा ने दिए महत्वपूर्ण निर्देश, जिले में 158 केन्द्रों का युक्तियुक्तकरण, 135 नवीन मतदान केन्द्रों का प्रस्ताव तैयार

बेमेतरा,(गंगा प्रकाश) भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, छत्तीसगढ़ रायपुर के निर्देशानुसार फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2025 के पूर्व, जिले में मतदान केन्द्रों के पुनर्गठन (युक्तियुक्तकरण) की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। इस क्रम में 1200 से अधिक मतदाताओं वाले मतदान केन्द्रों का पुन: परीक्षण कर उन्हें विभाजित कर नवीन केन्द्रों की स्थापना, स्थान परिवर्तन व भवन परिवर्तन हेतु प्रस्ताव आयोग को भेजा जाना है। इस अवसर पर एएससपी रामकृष्ण साहू, उप जिला निर्वाचन अधिकारी प्रकाश भारद्वाज, एडीएम अनिल वाजपेयी, राजनीतिक दलों के सदस्य गण, निर्वाचन शाखा के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। इसी संदर्भ में आज कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री रणबीर शर्मा की अध्यक्षता में कलेक्टरेट के दृष्टि सभाकक्ष मे मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में आयोग के निर्देशों के अनुरूप जिले में प्रस्तावित कार्य योजना की विस्तृत जानकारी साझा की गई एवं दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

बैठक में बताया गया कि जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों में कुल 158 ऐसे मतदान केन्द्र चिन्हित किए गए हैं जहां मतदाताओं की संख्या 1200 से अधिक है। इन केन्द्रों का युक्तियुक्तकरण करते हुए 135 नवीन मतदान केन्द्रों का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इसमें 14 केन्द्रों के अनुमोदन तथा 3 केन्द्रों के भवन परिवर्तन के प्रस्ताव भी शामिल हैं। प्रस्तावित नवीन मतदान केन्द्रों का विधानसभा क्षेत्रवार अंतर्गत साजा विधानसभा क्षेत्र मे 36 केन्द्र, बेरला विधानसभा क्षेत्र मे 41 केन्द्र और नवागढ़ विधानसभा क्षेत्र 58 केन्द्र शामिल है । वर्तमान में जिले में कुल 7,99,737 मतदाता पंजीकृत हैं, जिनमें 4,00,561 पुरुष, 3,99,372 महिला एवं 4 अन्य मतदाता शामिल हैं । बैठक में यह भी अवगत कराया गया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 01 जनवरी 2026 की अर्हता तिथि को आधार मानते हुए फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम पृथक रूप से जारी किया जाएगा। कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा ने सभी राजनीतिक दलों से अपील की कि निर्वाचन प्रक्रिया को पारदर्शी, निष्पक्ष एवं व्यवस्थित बनाए रखने हेतु वे अधिकतम सहयोग करें। उन्होंने कहा कि सभी सुझावों का स्वागत किया जाएगा और प्रत्येक मतदान केन्द्र हेतु नियुक्त बीएलओ (बूथ लेवल अधिकारी) के माध्यम से कार्यवाही की जाएगी। नवीन मतदान केन्द्रों की सूची अनुमोदन उपरांत सभी राजनीतिक दलों को उपलब्ध कराई जाएगी, जिसके आधार पर प्रत्येक केन्द्र में बीएलए (बूथ लेवल एजेंट) की नियुक्ति कर जानकारी साझा करना आवश्यक होगा। निर्वाचक नामावली में नाम दर्ज कराने हेतु वर्ष भर चार अर्हता तिथियां 01 जनवरी, 01 अप्रैल, 01 जुलाई और 01 अक्टूबर निर्धारित की गई हैं। मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए फॉर्म 6, नाम हटाने के लिए फॉर्म 7, और संशोधन, स्थानांतरण, डुप्लीकेट ईपिक कार्ड या दिव्यांगजन को चिह्नित करने हेतु फॉर्म 8 का उपयोग किया जा सकता है। ये फॉर्म वोटर हेल्पलाइन एप्प या voters.eci.gov.in वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन कभी भी भरे जा सकते हैं। एपिक कार्ड निर्माण का कार्य एमटेक इनोवेशन प्रा. लि., पुणे (महाराष्ट्र) द्वारा किया जा रहा है, जिसे स्पीड पोस्ट के माध्यम से मतदाताओं को भेजा जा रहा है। साथ ही, मतदाता e-EPIC भी ऑनलाइन डाउनलोड कर सकते हैं। मतदाता सूची या ईपिक कार्ड से संबंधित किसी भी जानकारी या शिकायत हेतु जिले में स्थापित टोल फ्री नंबर 1950 पर कार्यालयीन समय में संपर्क किया जा सकता है।

01 लाख 27 हजार बीपीएल परिवारों को मिलती रहेगी मुफ्त बिजली की सुविधा

पुनरीक्षित हॉफबिजली बिल योजना से दुर्ग रीजन के 03 जिलों के 03 लाख 22 हजार सामान्य और कमजोर वर्ग के उपभोक्ताओं को मिलेगा पूर्ववत लाभ

बेमेतरा (गंगा प्रकाश) छत्तीसगढ़ सरकार ने घरेलू उपभोक्ताओं को राहत देने वाली हॉफ बिजली बिल योजना के अंतर्गत दी जाने वाली 400 यूनिट की मासिक छूट की सीमा में युक्तियुक्त संशोधन करते हुए अब 100 यूनिट तक की मासिक खपत पर 50 प्रतिशत की रियायत देने का निर्णय लिया है। पुनरीक्षित हॉफ बिजली बिल योजना के तहत दुर्ग क्षेत्र के अंतर्गत दुर्ग जिले में लगभग 01 लाख 39 हजार 80 उपभोक्ता, बालोद जिले में लगभग 81 हजार 755 एवं बेमेतरा जिले में लगभग 01 लाख 01 हजार 287 जरूरतमंद सामान्य एवं कमजोर वर्ग के उपभोक्ताओं को योजना का लाभ पूर्ववत मिलता रहेगा। इनमें दुर्ग क्षेत्र (दुर्ग,बालोद,बेमेतरा जिले) के लगभग 01 लाख 27 हजार बीपीएल(गरीबी रेखा से नीचे) परिवार भी शामिल हैं, जिन्हें पूर्ववत 30 यूनिट तक मुफ्त बिजली मिलती रहेगी। इसके साथ ही वे हॉफ बिजली बिल योजना के तहत अन्य सभी लाभों से भी यथावत लाभान्वित रहेंगे।

छत्तीसगढ़ सरकार प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना को भी तेज़ी से लागू कर रही है, जिसके अंतर्गत उपभोक्ताओं को रूफटॉप सोलर प्लांट स्थापित करने पर केंद्र और राज्य सरकारों से अधिकतम ?1,08,000 रूपये तक की सब्सिडी दी जा रही है। योजना के तहत 02 किलोवॉट प्लांट से प्रतिमाह औसतन 240 यूनिट उत्पादन संभव है, जिस पर ? 90,000 तक कुल सब्सिडी (? 60,000 केंद्र . ? 30,000 राज्य) मिलती है। 03 किलोवॉट क्षमता के प्लांट से प्रतिमाह औसतन 360 यूनिट उत्पादन संभव है, और इसमें ? 78,000 केंद्र . ? 30,000 राज्य यानी कुल ?1,08,000 की सहायता मिलती है। शेष राशि के लिये जो उपभोक्ता बैंक से ऋण लेना चाहते हैं, उनके लिये आकर्षक एवं न्यूनतम वार्षिक ब्याज दर 6.3 से 6.5 प्रतिशत् एवं कम से कम दस्तावेज यथा बिजली बिल, आधार कार्ड, पैन कार्ड, वेंडर कोटेशन एवं फीजिबिलिटी रिपोर्ट के साथ राष्ट्रीयकृत बैंकों से ऋण भी उपलब्ध है। ज्ञात हो कि दुर्ग, बालोद एवं बेमेतरा जिले के 911 परिवार सोलर पैनल लगाकर ना केवल मुफ्त बिजली का लाभ उठा रहे हैं, बल्कि बिजली के भारी-भरकम बिलों से भी राहत पा रहे हैं। वर्तमान में मार्केट में विभिन्न कंपनियों के डी.सी.आर. सोलर पैनल उपलब्ध है। जिनके 03 किलोवॉट तक के सिस्टम की कीमत 1.8 से 2.10 लाख तक है। इस प्रकार उपभोकता के 03 किलोवॉट के सोलर प्लांट पर रू. 1,08,000 की सब्सिडी घटाकर शेष राशि स्वयं वहन करना होता है। बाजार में सोलर प्लांट का बीमा भी कई बीमा कंपनियों द्वारा किया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि 2 किलोवॉट या अधिक क्षमता वाले प्लांट लगाने वाले उपभोक्ता प्रतिमाह 240 यूनिट से अधिक बिजली का उत्पादन 25 साल तक कर सकते हैं, जो 03 अगस्त 2025 के पहले लागू हॉफ बिजली योजना से मिलने वाली अधिकतम छूट (400 यूनिट पर 200 यूनिट रियायत) से भी ज्यादा है। ऐसे उपभोक्ता अपने घर में सौर ऊर्जा से उत्पन्न विद्युत का उपयोग कर न सिर्फ बिजली खर्च से मुक्ति पा सकते हैं, बल्कि अतिरिक्त बिजली को ग्रिड में प्रवाहित कर आय भी अर्जित कर सकते हैं। प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना उपभोक्ताओं को सस्ती बिजली, स्थायी बचत और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर प्रेरित करेगी। साथ ही, पर्यावरण के प्रति उत्तरदायित्व निभाने की दिशा में भी यह एक बड़ा कदम साबित होगा। इससे छत्तीसगढ़ के उपभोक्ता हॉफ बिजली बिल से मुक्त बिजली बिल योजना की ओर स्वाभाविक रूप से अग्रसर होंगे। उपभोक्ता किसी भी योजना पर निर्भर न रहते हुए स्वयं अपनी छत पर ऊर्जा उत्पादन कर उर्जादाता बनेंगे। यह रणनीतिक पहल राज्य को स्वच्छ ऊर्जा, आर्थिक बचत और ऊर्जा स्वतंत्रता की दिशा में आगे बढ़ाएगी। इस योजना का लाभ उपभोक्ताओं को पूर्णत: आनलाइन प्रकिया के तहत दिया जा रहा है। जिसके तहत उपभोक्ता स्वयं ऑनलाईन पोर्टल https-sÑ// pmsuryaghar. gov.in/#/ पर लॉग इन कर अथवा पीएम सूर्यघर मोबाइल ऐप, सीएसपीडीसीएल के वेबसाइट, मोर बिजली ऐप एवं बिजली कंपनी की टोल फ्री नंबर 1912 पर कॉल कर आवेदन कर सकते है। अधिक जानकारी के लिए सीएसपीडीसीएल के नजदीकी बिजली दफ्तर में संपर्क कर सकते है। इस स्कीम के तहत उपभोक्ता सौर प्लांट के स्थापना हेतु वेंडर का चयन ऑनलाइन खुद कर सकते हैं। सौर प्लांट स्थापित होने के बाद केन्द्र एवं राज्य से प्राप्त होने वाली सब्सिडी राषि सीधे उपभोक्ता के खाते में अथवा बैंक से लोन लेने वाले प्रकरण में सीधे बैंक के खाते में प्राप्त होगी। अगर आप भी इस योजना का लाभ लेना चाहते हैं, तो आप इसकी आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं और एक उवल और हरित भविश्य की ओर कदम बढ़ा सकते हैं।

प्रभारी अधिकारी अंतिम रूप से सुनिश्चित करें कि जनशिकायतों, टी.एल.प्रकरणों का निराकरण नियत समयसीमा में हो - आयुक्त

कोरबा। आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने निगम के प्रभारी अधिकारियों को कड़े दिशा निर्देश देते हुए कहा है कि वे अंतिम रूप से यह सुनिश्चित कराएं कि टी.एल. प्रकरणों, जनसमस्याओं व शिकायतों से जुड़े आवेदनों का निराकरण निर्धारित समयसीमा के अंदर किया जाए तथा इस पर किसी प्रकार की उदासीनता व लापरवाही परिलक्षित न हों। उन्होने कहा कि जनसमस्याओं का त्वरित निराकरण सर्वोच्च प्राथमिकता का विषय है, अत: इनसे जुड़े आवेदनों को पूरी गंभीरता से लें, त्वरित कार्यवाही करें एवं संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित कराएं। इस अवसर पर सहायक कलेक्टर क्षितिज गुरूभेले विशेष रूप से उपस्थित थे। आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने नगर पालिक निगम कोरबा के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत स्थित सभाकक्ष में निगम के जोन कमिश्नरों, अधिकारियों, अभियंताओं की बैठक लेकर टी.एल.प्रकरणों, जनशिकायतों, मुख्यमंत्री जनदर्शन, जनचैपाल आदि से जुड़े प्रकरणों के निराकरण की कार्यप्रगति की समीक्षा की। प्रकरणों के निराकरण पर क्या कार्यवाही की गई, उनका संतुष्टिपूर्ण निराकरण हुआ या नहीं, लंबित प्रकरण, लंबित होने के कार णों की समीक्षा करते हुए उन्होने प्रकरणों के त्वरित निराकरण के निर्देश अधिकारियों को दिए। आयुक्त पाण्डेय ने निर्देशित करते हुए कहा कि जनसमस्याओं व शिकायतों से जुड़े विषय सर्वोच्च प्राथमिकता के विषय हैं, अत: इन्हें पूरी गंभीरता से लें तथा उनके निराकरण की त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित कराते हुए नियत समयसीमा के अंदर संतुष्टिपूर्ण निराकरण करें।

विकास व निर्माण कार्यो की समीक्षा- बैठक के दौरान आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने निगम द्वारा विभिन्न मदों के अंतर्गत किए जा रहे विकास कार्यो की कार्यप्रगति की समीक्षा की। उन्होने जिला खनिज न्यास मद, अधोसंरचना मद, निगम मद, सांसद मद, प्रभारी मंत्री मद, सी.एस.आर.मद, विधायक, महापौर, पार्षद मद, वित्त आयोग मद सहित अन्य विभिन्न मदों के तहत किए जाने वाले विकास व निर्माण कार्यो की कार्यप्रगति की समीक्षा करते हुए कार्यो में आवश्यक गति लाने के निर्देश दिए। उन्होने अभियंताओं से कहा कि विकास व निर्माण कार्यो के संपादन के दौरान कार्य की गुणवत्ता व कार्य में प्रयुक्त की जा रही सामग्री की क्वालिटी पर विशेष फोकस करें तथा यह सुनिश्चित करें कि कार्य गुणवत्तापूर्ण ढंग से हों। उन्होने कहा कि कार्यो की गुणवत्ता व वर्क क्वालिटी के साथ किसी प्रकार का समझौता स्वीकार्य नहीं होगा।

क्लब चलाना कठिन रहा...

बेंगलुरु एफसी ने उठाया बड़ा कदम, सुनील छेत्री को भी नहीं मिलेगी सैलरी

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन सुपर लीग क्लब बेंगलुरु एफसी ने एक मुश्किल फैसला लेते हुए सुनील छेत्री समेत अपने सभी प्लेयर्स की सैलरी को रोक दिया है. क्लब ने इसको लेकर एक आधिकारिक बयान जारी किया और बताया कि वह खिलाडियों और सपोर्ट स्टाफ को कुछ समय के लिए सैलरी नहीं देंगे. क्लब ने एआईएफएफ और एफएसडीएल से गतिरोध को जल्द से जल्द खत्म करने का आग्रह करते हुआ कहा कि भारतीय फुटबॉल के भविष्य के लिए इसका शीघ्र समाधान बेहद ज़रूरी है.

बेंगलुरु एफसी ने अपने बयान में कहा, इंडियन सुपर लीग सीज़न के भविष्य की अनिश्चितता को देखते हुए, बेंगलुरु फुटबॉल क्लब ने प्रथम टीम के खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ की सैलरी को अनिश्चित काल के लिए निलंबित करने का एक बेहद कठिन फैसला किया है.

भारत में एक फुटबॉल क्लब को चलाना और उसे बनाए रखना हमेशा से एक कठिन काम रहा है, जिसे हमने हर सीज़न में पूरा किया है. हालांकि, लीग के भविष्य को लेकर स्पष्टता की कमी के कारण हमारे पास यह कदम उठाने के अलावा दूसरा कोई रास्ता नहीं था. हमारे प्लेयर्स, सपोर्ट स्टाफ और उनके परिवारों का भविष्य और कल्याण हमारे लिए सबसे जरुरी है, और हम समाधान की प्रतीक्षा में उनके संपर्क में हैं.

कॉमनवेल्थ गेम्स: राष्ट्रमंडल खेल टीम करेगी अहमदाबाद का दौरा, 2030 की मेजबानी हासिल करने की कवायद

नई दिल्ली, एजेंसी। यह दल रविवार को राष्ट्रीय राजधानी पहुंचा और मंगलवार को अहमदाबाद में होगा। अगर भारत को मेजबानी का अधिकार मिलता है तो अहमदाबाद प्रस्तावित मेजबान शहर है। राष्ट्रमंडल खेल निदेशक डैरेन हॉल के नेतृत्व में राष्ट्रमंडल खेल अधिकारियों का एक दल मंगलवार से तीन दिन के लिए अहमदाबाद का दौरा करेगा।

यह दल आयोजन स्थलों का निरीक्षण करेगा और गुजरात सरकार के अधिकारियों से मुलाकात करेगा क्योंकि भारत के 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की संभावनाएं बढ़ रही हैं। यह दल रविवार को राष्ट्रीय राजधानी पहुंचा और मंगलवार को अहमदाबाद में होगा। अगर भारत को मेजबानी का अधिकार मिलता है तो अहमदाबाद प्रस्तावित मेजबान शहर है। इस घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले एक अधिकारी ने बताया, हां, राष्ट्रमंडल खेल (जिसे पहले राष्ट्रमंडल खेल महासंघ के नाम से जाना जाता था) की एक टीम नयी दिल्ली में है और पांच से सात अगस्त तक अहमदाबाद का दौरा करेगी।

मेहमान दल ने यहां भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के अधिकारियों से मुलाकात की। अधिकारी ने कहा, राष्ट्रमंडल खेल का एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल इस महीने के अंत में दौरा करेगा। पिछले महीने कनाडा के बोली की दौड़ से हटने के बाद भारत के 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी हासिल करने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। भारत ने 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के लिए आशय पत्र सौंपा है और अहमदाबाद को मेजबान शहर चुना गया है। देश को 31 अगस्त की समय सीमा से पहले अंतिम बोली के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत करना होगा।

पहली परीक्षा में डर खत्म, इंग्लैंड दौरे पर नहीं खली रोहित-विराट की कमी

बैंच पर बैठे रह गए ये 3 दिग्गज, नहीं मिला इंग्लैंड दौरे में एक भी टेस्ट खेलने का मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी को 2-2 से ड्रॉ पर खत्म किया. मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा की घातक गेंदबाजी और शुभमन गिल की कप्तानी में टीम इंडिया ने आखिरी टेस्ट 6 रन से जीता और सीरीज को बराबरी पर खत्म किया, लेकिन इस पूरी सीरीज में भारतीय स्क्वॉड के कुछ ऐसे चेहरे भी थे जो लगातार टीम के साथ रहे, नेट्स में पसीना बहाया, लेकिन प्लेइंग इलेवन में एक भी मौका नहीं मिला.

अभिमन्यु ईश्वरन, हर बार निराशा

बंगाल के भरोसेमंद बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन सालों से इंडिया 'ए' के साथ दौरे कर रहे हैं. उन्होंने घरेलू क्रिकेट में रनों का अंबार लगाया है और इंडिया 'ए' के कप्तान के रूप में विदेशों में शानदार प्रदर्शन भी किया है. 2022 में उन्हें पहली बार टीम इंडिया की टेस्ट स्क्वॉड में शामिल किया गया था, लेकिन अब तक उनके डेब्यू का इंतजार जारी है. इंग्लैंड दौरे पर भी वह बतौर रिजर्व ओपनर टीम में थे, मगर यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल के अच्छे फॉर्म ने उनके लिए टीम में कोई जगह नहीं छोड़ी.

कुलदीप यादव को भी नहीं मिली जगह

रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर की स्पिन जोड़ी ने पूरा सीरीज में गेंदबाजी की, लेकिन कुलदीप यादव जैसे अनुभवी चाइनामैन स्पिनर को एक भी मैच में मौका नही मिला. रविचंद्रन अश्विन के बाहर रहने के बावजूद कप्तान शुभमन गिल और कोच गौतम गंभीर ने कुलदीप की अनदेखी की. हर मैच से पहले उम्मीद की जाती थी कि इस बार कुलदीप को मौका मिलेगा, लेकिन हर बार उनकी जगह किसी और को टीम में शामिल किया गया. क्रिकेट एक्सपर्ट्स का मानना है कि अगर कुलदीप को खेलने का मौका मिलता, तो सीरीज भारत के पक्ष में झुक सकती थी.

● अर्शदीप सिंह का डेब्यू का इंतजार जारी

सीनियर पेसर जसप्रीत बुमराह को वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत तीन टेस्ट खेलने थे. ऐसे में उम्मीद थी कि अर्शदीप सिंह को टेस्ट डेब्यू करने का मौका मिलेगा, लेकिन टीम कॉम्बिनेशन और पिच की परिस्थितियों के कारण उन्हें भी पूरे दौरे में बेंच पर बैठना पड़ा. बाएं हाथ के इस युवा तेज गेंदबाज की प्रतिभा किसी से छिपी नहीं है, लेकिन अर्शदीप ओवल में आखिरी टेस्ट तक इंतजार करते रह गए. नारायण जगदीशन भी इस लिस्ट में हो सकते हैं. हालांकि उन्हें केवल आखिरी टेस्ट के लिए टीम में शामिल किया गया था, लेकिन पंत की चोट के चलते ध्रुव जुरेल को बतौर विकेटकीपर टीम में शामिल कर लिया गया और उनका इस्तेमाल नहीं किया गया.

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ 45 दिन के क्रिकेट में भारतीय टीम ने जबरदस्त खेल दिखाया। सीरीज के स्कोरलाइन 2-2 से 5 टेस्ट मैचों का आकलन शायद शुभमन गिल की टीम के साथ नाइंसाफी होगी। रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टीम इस सवाल के साथ पहुंची थी कि वह सीरीज 0-4 से हारेगी या 0-5 से क्लीन स्वीप का सामना करेगी। 20 जून को जब दौरे की शुरुआत हुई तो किसी ने नहीं सोचा था कि 4 अगस्त को जब सीरीज का समापन होगा तब ओवल स्टेडियम बेन स्टोक्स के साथ शुभमन गिल ट्रॉफी उठाते दिखेंगे। सीरीज में साफ हो गया कि भारतीय क्रिकेट का भविष्य उज्जवल है। 45 दिन के क्रिकेट में इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय टीम ने जबरदस्त खेल दिखाया। सीरीज के स्कोरलाइन 2-2 से 5 टेस्ट मैचों का आकलन शायद शुभमन गिल की टीम के साथ नाइंसाफी होगी। तेंदुलकर-एंडरसन सीरीज को मैनचेस्टर टेस्ट मैच के आखिरी दिन के पलों से आंकना चाहिए। जब बेधड़क क्रिकेट खेलने का दंभ भरने वाले बेन स्टोक्स मैच ड्रॉ समाप्त करने के लिए रविंद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर के आगे गिड़गिड़ाए थे।

भारतीय टीम का रहा दबदबा: भारत-इंग्लैंड 5 मैचों की टेस्ट सीरीज को लॉर्ड्स में तीसरे दिन के अंत में आउट होने के डर से जैक क्रॉली और बेन डकेट मैदान पर लेट उतरने से आंकना चाहिए। स्टोक्स के दोनों ओपनर जैसे-तैसे समय बर्बाद करके विकेट बचाने की कोशिश में लगे थे। इस रिकॉर्ड से भापना चाहिए कि टॉप 5 सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों में 3 भारतीय हैं। 21 में से 12 शतक भारतीय बल्लेबाजों ने लगाए हैं। इस सीरीज को ओवल में 30 रन के अंदर 5 विकेट लेकर अंग्रेजों के जबड़े से जीत छीनने के लिए याद रखना चाहिए।

गिल को कप्तानी पर काम करने की जरूरत

भारत ने यह सीरीज 2-2 से बराबर कर ली, लेकिन कप्तान के तौर पर शुभमन गिल को बहुत काम करने की जरूरत है। गिल ने कई बार साधारण फैसले किए। उन्होंने सीरीज में कई बार मैच को हाथ से निकलने दिया। वह कई आउट ऑफ आइडिया दिखे। गिल की कप्तानी की सबसे बड़ी कमी रही चौथे गेंदबाज का इस्तेमाल न करने जिद। वह तीन प्रमुख तेज गेंदबाजों पर काफी निर्भर दिखे। अंग्रेज बल्लेबाजों को आसानी से रन बनाने का मौका देकर हावी होने दिया। हालांकि, कप्तान के तौर पर गिल की यह पहली सीरीज थी। उन्हें वक्त के साथ इन कमियों पर काम करना होगा।

क्यों सीरीज 2-2 से ड्रॉ रही: भारतीय टीम का दबदबा होने के बाद भी सीरीज 2-2 से ड्रॉ रही क्योंकि अहम मौकों पर शुभमन गिल की टीम ने काफी साधारण प्रदर्शन किया। लीड्स टेस्ट में 5 शतक लगाने के बाद भी टीम हार गई। इस मैच में फील्डिंग ने निराश किया। 7 कैच टपकाकर बंटाधार हुआ। रही सही कसर दूसरी पारी में गेंदबाजी ने पूरी कर दी। 371 रन के लक्ष्य के जवाब में जैक क्रॉली और बेन डकेट ने 188 रन की साझेदारी की। जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज जैसे गेंदबाज विकेट के लिए तरस गए।

लॉर्ड्स में दबाव नहीं झेल पाई भारतीय टीम: इसके बाद भारतीय को लॉर्ड्स में हार मिली। भारतीय टीम पहली पारी में बढ़त हसिल करने से चूक गई। पहली पारी में उसने 11 रन के अंदर 4 विकेट गंवाए। 193 रन लक्ष्य के जवाब में वह दबाव नहीं झेल पाई। बेन स्टोक्स की करिशमाई गेंदबाजी के आगे टॉप ऑर्डर का कोई भी बल्लेबाज डटकर नहीं खेल सका। रविंद्र जडेजा ने जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के साथ मिलकर टीम को जीत के करीब पहुंचाया, लेकिन 22 रन से हार का समाना करना पड़ा।

यह कमी करनी होगी दूर: भारतीय टीम के पास विश्व क्रिकेट पर राज करने की क्षमता है। इसके लिए उसे ऑलराउंडर्स के मोह से निकलना होगा। बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए गेंदबाजी से समझौता करना ठीक नहीं है। ऐसे एप्रोच से नतीजा यही होगा। भारतीय टीम को कुलदीप यादव को खिलाना चाहिए थे। वह लीड्स, एजबेस्टन और लॉर्ड्स में परिस्थितियों का फायदा उठा सकते थे। मैनचेस्टर में भी वह इंग्लैंड को बल्लेबाजों को परेशान करते। बल्लेबाजी में नंबर 3 कमजोरी है। साई सुदर्शन और करुण नायर प्रभावित नहीं कर पाए। इस कमजोरी को भी जल्द से जल्द दूर करना होगा।

नेशनल बैंक ओपनः

मबोको का सेमीफाइनल में सामना रिबाकिना से, ज्वेरेव गत विजेता पोपिरिन को हराकर अंतिम-चार में

मॉन्ट्रियल, एजेंसी। शीर्ष वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके ऑस्ट्रेलिया के 18वीं वरीयता प्राप्त एलेक्सी पोपिरिन को हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

कनाडा की किशोरी विक्टोरिया मबोको ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट में स्पेन की जेसिका बुजास मानेरो को 6-4, 6-2 से हराकर अपने करियर के पहले डब्ल्यूटीए टूर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। शीर्ष वरीयता प्राप्त कोको गॉफ को हराने के दो दिन बाद टोरंटो की रहने वाली 18 वर्षीय खिलाड़ी मबोको को लय हासिल करने में देर लगी लेकिन उन्होंने जल्द ही मैच पर नियंत्रण बना दिया और सीधे सेट में जीत दर्ज की। मबोको 2019 में बियांका एंड्रीस्कू के खिताब जीतने के बाद से इस डब्ल्यूटीए 1000 प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली कनाडा की पहली खिलाड़ी हैं। वह टोरंटो में 2015 में बेलिंडा बेनकिच के बाद सेमीफाइनल में पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की महिला खिलाड़ी भी हैं।

मबोको का सामना अब एलेना रिबाकिना से होगा, जिन्होंने मार्टा कोस्त्युक के हाथ में चोट लग जाने के कारण मैच के बीच में हट जाने के बाद सेमीफाइनल में जगह बनाई। यूक्रेन की खिलाड़ी ने जब मैच से हटने का फैसला किया तब कज़ाकिस्तान की नौवीं वरीयता प्राप्त रिबाकिना 6-1, 2-1 से आगे चल रही थी।

ज्वेरेव पोपिरिन को हराकर सेमीफाइनल में

शीर्ष वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके ऑस्ट्रेलिया के 18वीं वरीयता प्राप्त एलेक्सी पोपिरिन को हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

जर्मन खिलाड़ी और यहां 2017 के चैंपियन ज्वेरेव ने पिछली बार के विजेता पोपिरिन को 6-7 (8), 6-4, 6-3 से पराजित किया। सेमीफाइनल में उनका मुकाबला रूस के कारेन खाचानोव या अमेरिका के एलेक्स मिशेलसन से होगा।

प्रो पंजा लीग: 2025

सीजन 2 में नई टीम और शोकेस बाउट से बढ़ेगा रोमांच

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रो पंजा लीग 2025 का दूसरा सत्र मंगलवार (5 अगस्त) से मध्य प्रदेश के ग्वालियर में शुरू होगा। इससे पहले सोमवार (4 अगस्त) को जिवाजी क्लब में दूसरे सत्र की शुरुआत का ऐलान हुआ। सीजन 2 का रोमांच छठी फ्रेंचाइजी एमपी हथौड़ाजके जुड़ने से लीग का रोमांच और बढ़ेगा। इसके लिए 70 किलो वेट कैटेगरी में 2 शोकेश बाउट का भी ऐलान हुआ। आइए जानते हैं टूर्नामेंट के फॉर्मेट, वेन्यू, टीमें और लाइव स्ट्रीमिंग समेत अन्य जानकारी:-

टूर्नामेंट के फॉर्मेट की बात करें तो एक वेट कैटेगरी में दो खिलाड़ियों के बीच बाउट्स होते हैं। इन बाउट्स में खिलाड़ियों को पिन हासिल करने यानी राउंड जीतने होते हैं। पुरुष और महिला दोनों वर्ग में बाउट्स तय वेट कैटेगरी में होते हैं। दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए भी अलग श्रेणी है। लीग प्रारूप के बाद सेमीफाइनल होगा। फिर फाइनल में विजेता तया होगा।

प्रो पंजा लीग 2025 में 5 अगस्त से 21 के बीच 17 दिन में 30 मैच होंगे। 4 टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। विजेताओं का मुकाबला फाइनल में होगा।

'मुझे जस्सी भाई और खुद पर विश्वास है', ओवल में इंग्लैंड पर जीत के बाद मोहम्मद सिराज हुए भावुक

नई दिल्ली, एजेंसी। यह जगजाहिर है कि मोहम्मद सिराज के लिए जसप्रीत बुमराह प्रेरणा स्रोत रहे हैं। हैदराबाद के इस गेंदबाज ने स्वीकार किया कि लंदन के केनिंग्टन ओवल मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच में भारत की जीत के बाद उन्हें अपने गौरवशाली क्षणों में सीनियर साथी तेज गेंदबाज की कमी खल रही थी। मोहम्मद सिराज ने ओवल में पांचवें टेस्ट की दूसरी पारी में पांच विकेट लिए, जिससे भारत ने सोमवार को रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड को छह रन से हराकर श्रृंखला 2-2 से बराबर की।

सिराज ने मैच में नौ विकेट लेकर न केवल 'मैन ऑफ द मैच' का पुरस्कार जीता, बल्कि अपने प्रशंसकों से भी खूब प्रशंसा बटोरी।

मुझे जस्सी भाई की याद आती है: सिराज

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में भावुक सिराज ने कहा, 'हर बल्लेबाज, हर गेंदबाज (जिसने टेस्ट खेला), उसे मैं सलाम करता हूं। जिस तरह से हमने वापसी की वह शानदार थी। मुझे जस्सी (बुमराह) भाई की याद आती है, क्योंकि अगर वह यहां होते तो यह और खास होता। मुझे जस्सी भाई और खुद पर विश्वास है।' जसप्रीत बुमराह वर्कलोड मैनेजमेंट के कारण पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच में नहीं खेल पाए थे। उन्हें चौथे टेस्ट मैच के बाद टीम से रिलीज कर दिया गया था। रविवार को हैरी ब्रूक का कैच छोड़ने के बाद सिराज आखिरी दिन पूरी तरह से प्रतिबद्ध नजर आए। उन्होंने सोमवार सुबह के सत्र में जो भी गेंदें फेंकी उसने इंग्लैंड के बल्लेबाजों को परेशान किया।

शब्दों में बयां नहीं कर सकता भावनाएं: सिराज

मोहम्मद सिराज ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो, इस समय (जीत के बाद) जो भावनाएं मेरे अंदर हैं, मैं उन्हें शब्दों में बयां नहीं कर सकता, क्योंकि कल (रविवार को) मैंने कैच छोड़ दिया था। जब मैं (चौथे दिन के बाद) सोने जा रहा था, तो मैं बस यही सोच रहा था कि मैंने ऐसा कैसे कर दिया।' मोहम्मद सिराज ने कहा, 'अगर मैंने वह कैच ले लिया होता, तो हमें सोमवार को मैदान पर आकर खेलने की जरूरत नहीं पड़ती। हम आराम कर रहे होते। लेकिन ऊपर वाले ने हमारे लिए कुछ और ही सोच रखा था। वह हमें सोमवार को स्टेडियम तक ले आया और नतीजा सबके सामने है।

नोवाक जोकोविच ने सिनसिनाटी ओपन से अपना नाम वापस लिया

नई दिल्ली, एजेंसी। रिकॉर्ड 24 ग्रैंड स्लैम विजेता और विश्व के छठे नंबर के खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने सिनसिनाटी ओपन से अपना नाम वापस ले लिया है। टूर्नामेंट के आयोजकों ने यह जानकारी दी।

38 साल के सर्बियाई खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने गैर-चिकित्सीय कारणों के चलते टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया है। जोकोविच ने कमर की चोट का हवाला देते हुए टोरंटो में कैनेडियन मास्टर्स से हटने का फैसला किया था। उन्होंने लगातार दूसरी बार एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट से भी बाहर रहने का फैसला किया था। एटीपी विन/लॉस इंडेक्स के अनुसार, तीन बार के चैंपियन का एटीपी मास्टर्स 1000 में 45-12 का टूर्नामेंट रिकॉर्ड है। इस आयोजन में अपनी सबसे हालिया उपस्थिति में, उन्होंने 2023 के एक शानदार फाइनल में कार्लोस अल्काराज को 5-7, 7-6(7), 7-6(4) से हराकर जीत हासिल की थी। जोकोविच का इस सीजन में रिकॉर्ड 26-9 है, इसी साल उन्होंने मई में जिनेवा में

अपना 100वां टूर-स्तरीय खिताब जीता था। उस जीत के बाद से उन्होंने सिर्फ दो इवेंट खेले हैं।

वह फ्रेंच ओपन और विंबलडन के सेमीफाइनल में पहुंचे, लेकिन दोनों ही मेजर टूर्नामेंट में जैनिक सिनर से हार गए। जोकोविच का अगला मुकाबला यूएस ओपन में होगा, जहां मुख्य ड्रॉ मुकाबले 24 अगस्त से शुरू होंगे। वह अपने 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब की तलाश में हैं, जो पुरुष और महिला एकल में मिलाकर एक सर्वकालिक रिकॉर्ड स्थापित करेगा, और महिला वर्ग में मार्गरेट कोर्ट के वर्तमान रिकॉर्ड की बराबरी कर लेगा। इस बीच, जैनिक सिनर सिनसिनाटी ओपन पहुंच गए हैं, जहां उनका लक्ष्य ओहायो में होने वाले एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में अपने खिताब का बचाव करना होगा। 23 वर्षीय इतालवी खिलाड़ी 2025 में अपनी पहली मास्टर्स 1000 ट्रॉफी जीतने की कोशिश में हैं। इस आयोजन में सिनर के साथ अलेक्जेंडर ज्वेरेव, टेलर फिट्ज और कार्लोस अल्काराज भी शामिल होंगे, जो विंबलडन फाइनल में सिनर से हार गए थे। सिनसिनाटी ओपन गुरुवार से शुरू हो रहा है और 2025 में एक बड़े बदलाव से गुजरा है। यह अब दो हफ्ते का, 96 खिलाड़ियों वाला इवेंट बन गया है, जो 260 मिलियन अमेरिकी डॉलर के कैंपस नवीनीकरण के साथ हो रहा है। इस विस्तार का मकसद नए कोर्ट जोड़कर खिलाड़ियों और प्रशंसकों दोनों के अनुभव को बेहतर बनाना है। फाइनल 18 अगस्त को खेला जाएगा।

होगा तुमसे प्यारा कौन...ऋषि कपूर के गाने पर झूमकर नाचीं माधुरी दीक्षित

बॉलीवुड की धक-धक गर्ल यानी माधुरी दीक्षित सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. वह अपने फैंस को इम्प्रेस करने के लिए अक्सर अपने नए-नए वीडियोज पोस्ट करती हैं. इस बीच उनका एक वीडियो जमकर वायरल हो रहा है, जिसमें वह होगा तुमसे प्यारा कौन गाने पर डांस करती नजर आ रही हैं. ऋषि कपूर के इस सॉन्ग पर माधुरी दीक्षित ने झूमकर डांस किया है. एक्ट्रेस का यह डांस वीडियो इंटरनेट पर धमाम मचा रहा है.

दिशा ने 'जिया जले' गाने पर किया धमाकेदार डांस

बॉलीवुड में अपनी एक अलग पहचान बनाने वाली हसीनाओं में से एक दिशा पाटनी ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक डांस वीडियो शेयर किया है. वीडियो में दिशा जागब का डांस करते दिख रही हैं. ब्लैक ऑउटफिट में डांस करती दिशा एक अलग ही अंदाज में नजर आ रही हैं .दिशा अपनी फिटनेस का काफी ख्याल रखती हैं. अक्सर वो अपने वर्कआउट सेशन की तस्वीरें और वीडियोज शेयर करती रहती हैं. 33 साल की दिशा का यह वीडियो काफी तेजी से वायरल हुआ है. फैंस इसपर जमकर अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं.

हाल ही में शेयर किए गए इस वीडियो में दिशा पटानी अपनी टोंड बॉडी फ्लॉन्ट करते हुए बेहतरीन डांस करते नजर आ रही हैं. एक्ट्रेस पॉपुलर बॉलीवुड सॉन्ग 'जिया जले' पर थिरकती नजर आ रही हैं. सिंपल ब्लैक ऑउटफिट में दिशा के साथ कोरियोग्राफर अलीशा सिंह भी जबरदस्त अदाएं दिखा रही हैं. वीडियो को शेयर करते हुए दिशा ने लिखा, 'पहली बार ट्राई कर रही हूं, सबसे सेक्सी टीचर के साथ प्रैक्टिस करती रहूंगी'. पूरे वीडियो में दिशा जीतोड़ डांस करती नजर आ रही हैं. शेयर करने के बाद एक्ट्रेस का वीडियो काफी तेजी से वायरल हो गया है. दिशा के इस डांस वीडियो पर उनके फैंस जमकर प्यार लुटा रहे हैं. कमेंट सेक्शन में दिशा को भर-भरकर तारीफें मिल रही हैं. एक यूजर ने लिखा, 'बेहद हॉट और सिजलिंग लग रही हैं. वहीं एक दूसरे फैन ने लिखा कि, 'डांस फ्लोर पर आग लगा दी!' दिशा का यह बेहरीन डांस को पसंद वीडियो हर किसी आ रहा है.

अरमान ने शादी के बाद मनाया पत्नी आशना श्रॉफ का पहला बर्थडे

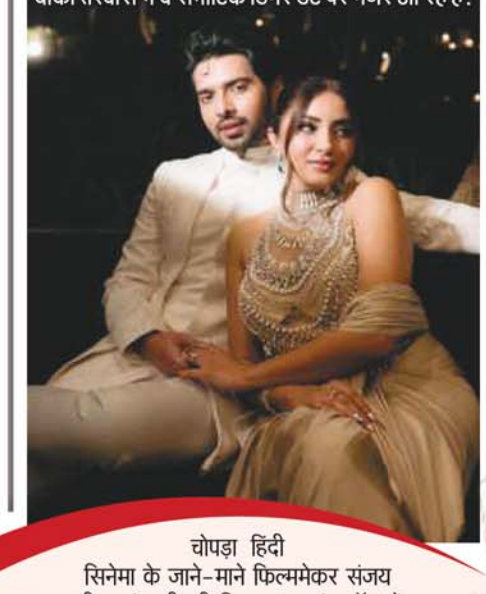

अपनी पत्नी के जन्मदिन के मौके पर अरमान मलिक ने इंस्टाग्राम पर रोमांटिक तस्वीरें पोस्ट की, जिसमें दोनों प्यार में डूबे हुए नजर आ रहे हैं. एक तस्वीर में अरमान अपनी पत्नी के माथे पर किस करते दिख रहे हैं. बाकी तस्वीरों में वे रोमांटिक डिनर डेट पर नजर आ रहे हैं.

इस तस्वीरों को पोस्ट करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'जब तक तुम मेरी जिंदगी में नहीं आई, जिंदगी ऐसी नहीं थी और ऐसा महसूस भी नहीं होता था. हैप्पी बर्थडे, दुनिया की मेरी सबसे पसंदीदा इंसान, आशना श्रॉफ.' अरमान और आशना ने 28 दिसंबर 2024 को एक निजी समारोह में शादी की थी. दोनों 2019 से रिलेशनशिप में थे. उनका रिश्ता समय के साथ और मजबूत होता गया. कई सालों तक साथ रहने के बाद, दोनों 28 दिसंबर को अपने करीबी दोस्तों और परिवार के सामने शादी के बंधन में बंध गए. अपनी शादी की कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कर दोनों ने कैप्शन में लिखा, 'तू ही मेरा घर है.'

6 साल बाद बॉलीवुड में धमाकेदार वापसी को तैयार प्रियंका

विक्की कौशल की फिल्म में आएंगी नजर?

बॉलीवुड की 'देसी गर्ल' प्रियंका चोपड़ा आज सिर्फ हिंदी सिनेमा तक ही नहीं बल्कि हॉलीवुड तक अपनी दमदार पहचान बना चुकी हैं. आज ग्लोबल स्टार बन चुकी प्रियंका ने कुछ साल पहले बॉलीवुड को अलविदा कह दिया था, लेकिन आज भी उनके फैंस उन्हें हिंदी फिल्मों में देखने को बेताब हैं. हालांकि, इस बीच खबर आ रही है कि प्रियंका चोपड़ा 6 साल बाद एक बार फिर से बॉलीवुड में वापसी करने के लिए तैयार हैं और जल्द ही वह अपनी अदाकारी का जलवा दिखाएंगी.

किस फिल्म में नजर आएंगी प्रियंका चोपड़ा?

हिंदुस्तान टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, प्रियंका चोपड़ा हिंदी सिनेमा के जाने-माने फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' में नजर आ सकती हैं. खास बात यह है कि फिल्म में उनका एक स्पेशल डांस नंबर होगा. हालांकि, प्रियंका चोपड़ा या मेकर्स की ओर से इस बारे में कोई भी ऑफिशियल स्टेटमेंट सामने नहीं आया है, लेकिन प्रियंका की वापसी की खबर सुनकर फैंस काफी ज्यादा खुश और एक्साइटेड हैं. बता दें कि, 'लव एंड वॉर' में रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल जैसे बड़े नाम शामिल हैं, जिससे दर्शकों का उत्साह और भी बढ़ गया है.

पहले भी भंसाली संग कर चुकी हैं धमाल

आपको बता दें कि, प्रियंका चोपड़ा इससे पहले भी संयज लीला भंसाली की फिल्म 'गोलियों की रासलीला राम-लीला' में आइकॉनिक गाने 'राह चाहे लीला' में नजर आ चुकी हैं. उनके दमदार डांस मूव्स और स्टाइलिश लुक ने उस समय खूब सुर्खियां बटोरी थीं. ऐसे में वह 'लव एंड वॉर' में भी डांस करती नजर आती हैं, तो ये फैंस के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं होगा.

'शोले' के 50 साल हुए पूरे

हेमा मालिनी ने पार्लियामेंट में कही खास बात

अमिताभ बच्चन, धर्मेंद्र और हेमा मालिनी की अदाकारी वाली फिल्म 'शोले' बॉलीवुड की सबसे अच्छी फिल्मों में से एक है। इस साल स्वतंत्रता दिवस पर, यह फिल्म अपनी रिलीज के 50 साल पूरे कर लेगी। सोमवार को हेमा मालिनी ने इस फिल्म के 50 साल पूरे होने एक खास बात कही है।

दूसरी 'शोले' बनना मुश्किल

फिल्म के बारे में बात करते हुए हेमा मालिनी ने एएनआई से कहा 'हमें खुशी होती है। जब काम करना शुरू किया था तब मालूम नहीं था कि इतनी बड़ी हिट होगी। अब 50 साल के बाद आप पार्लियामेंट में उसके बारे में सवाल पूछ रहे हैं। उस वक्त मुझे नहीं पता था कि हम पार्लियामेंट में आएंगे। वह वक्त अलग था। बस पिक्चर बन गई। दूसरी 'शोले' बनना मुश्किल है।'

दो हफ्तों के बाद फिल्म ने अच्छा प्रदर्शन किया

आपको बता दें कि 'शोले' को एक कल्ट फिल्म माना जाता है। बहुत कम लोग जानते होंगे कि जब यह फिल्म रिलीज हुई थी, तो इसे नकारात्मक समीक्षाएं मिलीं। पहले दो हफ्तों में यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई। हालांकि, बाद में सकारात्मक प्रचार के चलते इसने अच्छा प्रदर्शन करना शुरू कर दिया।

थिएटर में पांच वर्षों तक चली 'शोले'

रमेश सिप्पी के द्वारा निर्देशित यह फिल्म मुंबई के मिनर्वा थिएटर में पांच वर्षों तक प्रदर्शित हुई। यह सबसे लंबे समय तक चलने वाली फिल्म थी। 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' ने इसका रिकॉर्ड तोड़ दिया।

हेमा मालिनी का काम

हेमा मालिनी पिछले कुछ वर्षों से फिल्मों से दूर हैं। अभिनेत्री को आखिरी बार 2020 में रिलीज हुई फिल्म 'शिमला मिर्ची' में देखा था। उनके फैन्स उन्हें फिर से पर्दे पर देखने का से इंतजार कर रहे हैं।

'खोटी बहू' से बनी करोड़ों की ब्यूटी क्वीन

लुक में देती हैं आलिया-दीपिका-करीना को टक्कर

टीवी की 'वैंप' नामी एक्ट्रेस आशका गोराडिया ने साल 2002 में अपने करियर की शुरुआत की थी. पहले ही शो में अपने शानदार अभिनय से वो दर्शकों पर अपना छाप छोड़ने में सफल रही थीं .लेकिन फिर भी उन्होंने एक्टिंग को अलविदा कह दिया. लुक में तो वह आलिया-दीपिका-करीना को टक्कर देती हैं. इन दिनों आशका ने एक्टिंग से दूर बिजनेस की दुनिया में जा पहुंची हैं. आज उनका ब्यूटी ब्रांड "Renee Cosmetics" करोड़ों का कारोबार कर रहा है.
आशका ने अपने करियर में 'भाभी', 'कुसुम', 'तुम बिन जाऊं कहां', 'सिंदूर तेरे नाम का', और सबसे ज़्यादा फेमस शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में नजर आईं. उन्होंने 'नागिन' में भी दमदार रोल किया था. एक्टिंग ही नहीं, रियलिटी शोज़ जैसे 'बिग बॉस', 'खतरों के खिलाड़ी', 'नच बलिए' में भी वो नजर आईं और अपनी बहुमुखी प्रतिभा साबित की. लेकिन उन्होंने टीवी में ज्यादातर खोटी बहू यानी नेगेटिव रोल ही रोल निभाए हैं. साल 2021 में उन्होंने एक्टिंग छोड़ने का फैसला लिया. लोगों ने कयास लगाए, अफवाहें उड़ने लगीं. पर बाद में सबको समझ आया कि आशका बिजनेस में कुछ बड़ा करने का सपना देख रही थीं. सोशल मीडिया पर तो वह तहलका मचाए रखती हैं. अपने लुक से वह बॉलीवुड की कई बड़ी स्टार को टक्कर देती हैं. 2018 में उन्होंने अपने दो साथियों, प्रियांक शाह और आशुतोष वालानी के साथ Renee Cosmetics की शुरुआत की. उन्होंने सिर्फ 50 लाख रुपये के निवेश से कंपनी की नींव रखी और सबसे पहले ऑनलाइन मार्केटिंग के ज़रिए प्रोडक्ट्स बेचना शुरू किया.

विराट और अब्दुल रज्जाक को डेट कर चुकी हैं तमन्ना भाटिया ?

भारतीय सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं, उन्होंने हिंदी ही नहीं बल्कि साउथ इंडस्ट्री में भी अपनी खूबसूरती और एक्टिंग का लोहा मनवाया है. हालांकि, एक्ट्रेस अपनी फिल्मों और ओटीटी प्रोजेक्ट्स के साथ-साथ अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी खासा सुर्खियों में रहती हैं. एक्ट्रेस का नाम कई सेलेब्स के साथ जुड़ा चुका है, जिसमें दो दिग्गज क्रिकेटर विराट कोहली और अब्दुल रज्जाक का नाम भी शामिल है. हालांकि, तमन्ना ने अब खुद ही क्रिकेटर्स को डेट करने के राज से पर्दा उठा दिया है.

इन दो दिग्गज क्रिकेटरों को डेट कर चुकी हैं तमन्ना भाटिया?

तमन्ना भाटिया ने हाल ही में एक मीडिया इंटरव्यू के दौरान अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ पर खुलकर बात की. इस दौरान उन्होंने उन अफवाहों पर भी बात की, जो सालों से उनके नाम के साथ जुड़ी है. दरअसल, ऐसा कहा जाता है कि तमन्ना भाटिया भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली और अब्दुल रज्जाक को डेट कर चुकी हैं. हालांकि, एक्ट्रेस ने इंटरव्यू के दौरान साफ कहा कि उनका इन दोनों क्रिकेटर्स के साथ कोई रोमांटिक या लव रिलेशनशिप नहीं रहा है.

क्या है विराट कोहली और तमन्ना भाटिया की डेटिंग का सच?

तमन्ना भाटिया ने विराट कोहली संग डेटिंग की अफवाहों पर बात करते हुए कहा कि, 'मुझे बहुत बुरा लग रहा है, क्योंकि मैं उनसे सिर्फ एक दिन के लिए मिली थी. शूटिंग के बाद मैं विराट से कभी नहीं मिली और न मैंने उनसे बात की.' दरअसल, साल 2010 के शुरुआती सालों में एक एड शूट के दौरान विराट और तमन्ना की एक तस्वीर काफी वायरल हुई थी, जिसके बाद दोनों के अफेयर की खबरें उड़ने लगीं, लेकिन अब सालों बाद एक्ट्रेस ने खुद साफ किया कि यह सिर्फ एक प्रोफेशनल मीटिंग थी, इससे ज्यादा कुछ नहीं.

क्या अब्दुल रज्जाक से तमन्ना ने रचाई थी गुपचुप शादी?

तमन्ना भाटिया से इंटरव्यू में क्रिकेटर अब्दुल रज्जाक संग उनके रिश्ते की अफवाहों के बारे में भी सवाल किया गया. दरअसल, ऐसा दावा किया गया था कि, तमन्ना भाटिया ने पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर अब्दुल रज्जाक संग गुपचुप शादी रचा ली है. इस सवाल पर एक्ट्रेस ने हंसते हुए कहा, 'मजाक मजाक में अब्दुल रज्जाक! इंटरनेट तो बड़ा मजेदार है. हैं, इंटरनेट के मुताबिक, मेरी अब्दुल रज्जाक से कुछ समय के लिए शादी हुई थी.' एक्ट्रेस ने आगे बताया कि, 'यह बहुत शर्मनाक है, उन दोनों की वायरल फोटो असल में एक ज्वेलरी स्टोर के ओपनिंग इवेंट की थी जहां वह दोनों इत्तेफाक से पहुंचे थे और वहीं तस्वीर खिंच गई, जिसे गलत तरीके से फैलाया गया.'

'मुझे बेहोश करके', कभी बर्बाद होने से बची थी जिंदगी

एक्टिंग की दुनिया में कास्टिंग काउच के शिकार होने की खबरें अक्सर आती रहती हैं. टीवी की एक खूबसूरत और टैलेंटेड एक्ट्रेस के साथ भी ऐसा ही कुछ हुआ था. 16 की उम्र में एक्ट्रेस ने ये दर्द झेला था. एक वक्त में करोड़ों के कर्ज में डूबी ये एक्ट्रेस सड़कों पर सोने को मजबूर थीं. हम जिस एक्ट्रेस की बात कर रहे हैं, वो कोई और नहीं रश्मि देसाई है. रश्मि टीवी की दुनिया की जानी मानी एक्ट्रेस हैं. उन्होंने भोजपुरी सिनेमा में अपनी एक्टिंग से कभी तहलका मचाया था. अपने करियर में वह हर तरह के रोल निभा चुकी हैं. रश्मि अपने बेबाक अंदाज के लिए भी जानी जाती हैं .वह अक्सर सोशल मीडिया पर पर भी हर मुद्दे पर दिल खोलकर बात करती हैं. एक्ट्रेस ने खुलासा किया है कि वह कास्टिंग काउच का भी शिकार हो चुकी हैं.

16 की उम्र में झेल चुकीं दर्द

एक्टिंग की दुनिया में अक्सर इस तरह की खबरें सामने आती हैं. कई एक्ट्रेसेस अपने साथ हुए इस हादसे पर खुलकर बात भी करती हैं. रश्मि ने साल 2024 में बॉलीवुड बबल को दिए इंटरव्यू में बताया था कि जब वह 16 साल की की ती, तब 'दुर्भाग्य से, मैं भी इसका शिकार हो चुकी हूं,मुझे ऑडिशन के लिए बुलाया गया, मैं वहां गई और उन्होंने मुझे बेहोश करने की कोशिश की. लेकिन मैं किसी तरह वहां से बाहर निकलकर भागी थी. अगले दिन मेरी मां मेरे साथ वहीं गईं और उसे सबक सिखाने के लिए उसे थप्पड़ भी जड़ा था. लेकिन आगे चलकर मुझे बहुत अच्छे लोगों का साथ मिला.

हाफ बिजली बिल योजना में कटौती से जनता पर दोहरी मार भाजपा सरकार के फैसले से उठी सियासी आंधी, कांग्रेस ने बताया 'जनता के साथ विश्वासघात'

फिंगेश्वर/गरियाबंद (गंगा प्रकाश)। छत्तीसगढ़ में बिजली को लेकर एक बार फिर सियासी पारा चढ़ गया है। पूर्ववर्ती भूपेश बघेल सरकार की लोकप्रिय हाफ बिजली बिल योजना में भाजपानीत साय सरकार द्वारा किए गए बदलाव के बाद आम जनता से लेकर विपक्षी नेता तक आक्रोशित हैं। अब तक इस योजना के अंतर्गत राज्य के 44 लाख से अधिक घरेलू उपभोक्ताओं को 400 यूनिट तक की खपत पर बिजली बिल में 50त्न की छूट मिलती थी। लेकिन अब 1 अगस्त 2025 से यह सीमा घटाकर केवल 100 यूनिट कर दी गई है। यानी जिनकी मासिक खपत 100 यूनिट से अधिक है, उन्हें अब पूरा बिजली बिल चुकाना होगा।

भावसिंह साहू (जिला कांग्रेस अध्यक्ष)

ओमप्रकाश बंछोर (वरिष्ठ कांग्रेस नेता)

अनिल चंद्राकर (पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष)

श्रीमती पुष्पा साहू (पूर्व जनपद अध्यक्ष)

रामकृष्ण तिवारी (वरिष्ठ नेता)

करीम खान (जिला कांग्रेस महासचिव)

सरकार का आदेश और जनता का रोष बिजली विभाग द्वारा जारी निर्देश में स्पष्ट किया गया है कि सिर्फ 100 यूनिट तक खपत करने वाले उपभोक्ताओं को ही हाफ बिल योजना का लाभ मिलेगा। इससे मध्यमवर्ग और निम्न मध्यमवर्ग को तगड़ा झटका लगा है।

विपक्ष के तीर ङ्क कांग्रेस नेताओं का हमला

जनता के साथ धोखा है — भावसिंह साहू (जिला कांग्रेस अध्यक्ष)

साय सरकार ने 400 यूनिट तक की छूट खत्म कर दी है। अब 100 यूनिट से ज्यादा खपत करने वाले आम उपभोक्ता इस राहत से वंचित हो गए हैं। यह आम जनता के ऊपर एक और आर्थिक हमला है।

ये सिर्फ झटका नहीं, गहरा धोखा है — ओमप्रकाश बंछोर (वरिष्ठ कांग्रेस नेता)

बीजेपी सरकार ने बिजली राहत की योजनाएं छीन ली हैं। शहरों और गांवों में बिजली कटौती, लो वोल्टेज की समस्या चरम पर है। कांग्रेस सरकार में 24 घंटे बिजली मिलती थी। अब अंधेरा ही अंधेरा है।

40 से 50 हजार रुपये तक की बचत छीन ली गई — अनिल चंद्राकर (पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष)

कांग्रेस शासन में उपभोक्ताओं को सालाना हजारों रुपये की राहत मिलती थी। अब साय सरकार ने उस योजना की रीढ़ ही तोड़ दी है। जनता की जेब पर सीधा डाका है।

दरों में वृद्धि और राहत में कटौती — श्रीमती पुष्पा साहू (पूर्व जनपद अध्यक्ष)

पिछले महीने ही चौथी बार बिजली दरें बढ़ाई गईं। घरेलू, कमर्शियल और कृषि पंपों की दरों में क्रमशः 20, 25 और 50 पैसे प्रति यूनिट की बढ़ोतरी की गई है। डेढ़ साल में कुल 80 पैसे की वृद्धि हो चुकी है।

छत्तीसगढ़ बिजली उत्पादक राज्य, फिर भी जनता महंगी बिजली खरीदने मजबूर — रामकृष्ण तिवारी (वरिष्ठ नेता)

छत्तीसगढ़ देश का सबसे बड़ा बिजली उत्पादक राज्य है, फिर भी यहां की जनता को ही महंगी बिजली दी जा रही है। यह कैसा न्याय है?

साय सरकार का तुगलकी फरमान — करीम खान (जिला कांग्रेस महासचिव)

कांग्रेस सरकार ने सभी वर्गों को राहत दी थी। अब भाजपा सरकार ने इस योजना को गरीबों तक सीमित कर बाकी जनता से राहत छीन ली है।

जनता की बिजली मांग नहीं हो रही पूरी, संकट गहराया

एक तरफ सरकार बिजली दरें बढ़ा रही है, दूसरी तरफ मांग के अनुसार बिजली आपूर्ति नहीं हो पा रही। गर्मी में घंटों की कटौती हो रही है और लो वोल्टेज की समस्या आम हो गई है।

जनता का सवाल: अगर छत्तीसगढ़ बिजली बेचता है तो अपने ही लोगों को राहत क्यों नहीं?

राज्य के मतदाता यह सवाल उठा रहे हैं कि जब छत्तीसगढ़ बिजली उत्पादन में देशभर में अग्रणी है और दूसरे राज्यों को बिजली बेचता है, तब यहां के उपभोक्ताओं को महंगी बिजली और कम आपूर्ति क्यों?

क्या फिर सड़कों पर उतरेगी कांग्रेस?

कांग्रेस के नेताओं ने संकेत दिए हैं कि यदि यह जनविरोधी फैसला वापस नहीं लिया गया तो वे प्रदेशव्यापी आंदोलन छेड़ सकते हैं। आने वाले समय में यह मुद्दा एक बड़ा चुनावी एजेंडा बन सकता है।

साय सरकार के इस फैसले ने बिजली राहत की उम्मीद लगाए बैठे लाखों उपभोक्ताओं को झटका दिया है। कांग्रेस इसे 'जनता के साथ विश्वासघात' बता रही है। वहीं राज्य सरकार की तरफ से फिलहाल इस कटौती पर कोई सफाई नहीं दी गई है।

हॉफ बिजली बिल से अब मुफ्त बिजली बिल की ओर — ऊर्जादाता बन रहा है आम उपभोक्ता!

गरियाबंद (गंगा प्रकाश)। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना ने गरियाबंद जिले के हजारों घरेलू उपभोक्ताओं के चेहरों पर मुस्कान ला दी है। जहां पहले हर महीने 1000 रुपये से अधिक का बिजली बिल एक सामान्य परिवार की चिंता का कारण होता था, अब वही उपभोक्ता अपनी छत पर सौर ऊर्जा का उत्पादन कर रहे हैं — वो भी 75 प्रतिशत सब्सिडी के साथ!

राज्य शासन की हॉफ बिजली बिल योजना और केंद्र की प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के मेल ने इसे डबल लाभ की डील बना दिया है। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा भी सब्सिडी देने से अब 1 किलोवाट और 2 किलोवाट के रूफ्टॉप सोलर प्लांट की कुल लागत बेहद कम हो गई है।

200 यूनिट नहीं, अब 400 यूनिट तक खुद पैदा करें बिजली– राज्य सरकार की हॉफ बिजली बिल योजना के अंतर्गत पहले 400 यूनिट तक की मासिक खपत पर 200 यूनिट तक की छूट दी जा रही थी। लेकिन अब जिन उपभोक्ताओं ने पीएम सूर्यघर योजना के अंतर्गत सोलर प्लांट लगा लिया है, वे 400 यूनिट तक की जरूरत खुद ही अपने घर की छत पर पूरी कर सकते हैं। यानी उनका बिजली बिल लगभग शून्य हो जाता है।

ईएमआई से आसान भुगतान, 25 साल तक का फायदा– सरकार की ओर से 75प्रतिशत सब्सिडी के बाद शेष राशि के लिए उपभोक्ताओं को बैंकों से आसान मासिक किस्त (श्वरूढ्ढ) की सुविधा भी दी जा रही है। यानी बिना एकमुश्त बड़ी राशि चुकाए अब हर परिवार ऊर्जा में आत्मनिर्भर बन सकता है। यह प्लांट एक बार लगने के बाद कम से कम 25 साल तक बिना किसी बड़ी परेशानी के काम करता है।

अब जरूरतमंदों को भी मिलेगा लाभ ङ्क 31 लाख परिवार योजना के दायरे में– हालांकि सरकार ने हॉफ बिजली बिल योजना के तहत 100 यूनिट तक की खपत पर 50प्रतिशत रियायत देने की नई व्यवस्था लागू की है, लेकिन छत्तीसगढ़ के 31 लाख सामान्य एवं कमजोर वर्ग के उपभोक्ता परिवारों को पूर्व की भांति योजना का पूरा लाभ मिलता रहेगा।

100प्रतिशत ऑनलाइन प्रक्रिया - घर बैठे करें आवेदन– प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के लिए आवेदन करना बेहद आसान है। उपभोक्ता स्वयं httpsÑ//pmsuryaghar.gov.in पोर्टल पर लॉग इन कर सकते हैं या पीएम सूर्यघर मोबाइल ऐप डाउनलोड कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त: सीएसपीडीसीएल की वेबसाइट,मोर बिजली मोबाइल एप,टोल फ्री नंबर 1912 के माध्यम से भी आवेदन किया जा सकता है। कोई भी उपभोक्ता अपने निकटतम बिजली कार्यालय में जाकर भी जानकारी प्राप्त कर सकता है।

उपभोक्ताओं के चेहरे पर मुस्कान, सरकार की मंशा साफ ङ्क उपभोक्ता अब ऊर्जादाता बनें– बिजली बिल का बोझ कम होने से जिले के उपभोक्ता न केवल आर्थिक रूप से राहत महसूस कर रहे हैं, बल्कि पर्यावरण के प्रति भी अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

सरकार की मंशा है कि नागरिक अब किसी योजना या सब्सिडी पर आश्रित न रहें, बल्कि अपनी छत पर सोलर प्लांट लगाकर खुद की बिजली खुद बनाएं, ऊर्जादाता बनें।

संक्षेप में प्रमुख बिंदुः– 75प्रतिशत सब्सिडी के साथ 1 से 2 किलोवाट तक के सोलर प्लांट आसान बैंक श्वरूढ्ढ की सुविधा 25 साल तक बिजली उत्पादन 400 यूनिट तक बिजली खपत खुद से पूरी ऑनलाइन आवेदन की सरल प्रक्रिया गरियाबंद जिले में तेजी से बढ़ रहा रूफ्टॉप सोलर का रुझान अब जरूरत है तो सिर्फ एक पहल की। आज अगर आप बिजली के बढ़ते बिलों से परेशान हैं, तो यह योजना आपके लिए संजीवनी बन सकती है। अब समय है उपभोक्ता से ऊर्जादाता बनने का — प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के साथ!

बछिया के हर्निया का पशु चिकित्सकों ने किया सफल ऑपरेशन

कोण्डागांव (गंगा प्रकाश)। जिला कोंडागांव विकासखंड फरसगांव अंतर्गत ग्राम बेलगांव में एक वर्षीय बछिया में लेट्रल एब्डॉमिनल हर्निया की जटिल स्थिति का सफल शल्यचिकित्सकीय उपचार किया गया। यह सर्जरी उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. एमबी सिंह के कुशल मार्गदर्शन में सम्पन्न की गई। लेट्रल एब्डॉमिनल हर्निया एक ऐसी चिकित्सकीय स्थिति है, जिसमें पेट की दीवार की मांसपेशियाँ कमजोर या फट जाती हैं, जिससे आंत या अन्य अंग पेट की दीवार से बाहर निकल आते हैं। यदि समय पर उपचार न किया जाए, तो यह पशु के लिए जानलेवा भी हो सकता है। विशेष रूप से बढ़ते हुए बछड़ों और गाभिन बछिया में यह स्थिति चिंता का विषय बन जाती है। प्रभावित बछिया के दायें पार्श्व उदर में असामान्य सूजन देखी गई थी, जिसे चिकित्सकीय परीक्षण के पश्चात लेट्रल एब्डॉमिनल हर्निया के रूप में चिन्हित किया गया। पशु की गंभीर स्थिति को देखते हुए तत्काल शल्यचिकित्सा की योजना बनाई गई। इस जटिल सर्जरी का नेतृत्व पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ डॉ. ढालेश्वरी द्वारा किया गया, ऑपरेशन में डॉ. दीपिका सिदार का भी सहयोग रहा। तकनीकी सहायता सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी श्री डी. पी. साहू एवं सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी, डटन् श्री खेमराज द्वारा प्रदान की गई। सर्जरी पूर्णत: सफल रही तथा पशु को निगरानी में रखा गया है और उसे आपरेशन पश्चात आवश्यक चिकित्सा सुविधा प्रदान की जा रही है।

रेडक्रॉस जिला प्रबंध समिति की ऐतिहासिक पहली बैठक गरियाबंद में सम्पन्न — मानव सेवा के नए संकल्पों के साथ नई शुरुआत!

गरियाबंद (गंगा प्रकाश)। जिले में जनसेवा और आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में मील का पत्थर मानी जा रही रेडक्रॉस जिला प्रबंध समिति की प्रथम बैठक का आयोजन गरियाबंद कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस बैठक की अध्यक्षता स्वयं कलेक्टर एवं भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी जिला शाखा के अध्यक्ष श्री बीएस उइके ने की, जिन्होंने गरियाबंद जिले में रेडक्रॉस की भूमिका को नए आयाम देने का स्पष्ट संदेश दिया।

बैठक में रेडक्रॉस समिति की नवगठित टीम के दिग्गज चेहरे शामिल हुए — सभापति श्रीमती मधु बाला रात्रे, उपसभापति श्रीमती पुष्पा जगन्नाथ साहू, कोषाध्यक्ष बोधन साहू, राज्य प्रतिनिधि सदस्य रोमन लाल साहू, और समिति के अन्य सक्रिय सदस्य। पहली बार आयोजित इस बैठक में न केवल संगठनात्मक पहलुओं पर चर्चा हुई, बल्कि रेडक्रॉस की बुनियादी सोच और सिद्धांतों को व्यवहार में लाने के लिए ठोस निर्णय लिए गए।

रेडक्रॉस क्या है — मूल सिद्धांतों से लेकर जमीनी सेवा तक

राज्य प्रतिनिधि और जिला संगठक रोमन लाल साहू ने रेडक्रॉस के सात मूलभूत सिद्धांत — मानवता, निष्पक्षता, तटस्थता, स्वतंत्रता, स्वैच्छिक सेवा, एकता और सार्वभौमिकता — पर व्यापक प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि रेडक्रॉस का उद्देश्य सिर्फ आपदा राहत तक सीमित नहीं, बल्कि सामान्य काल में भी स्वास्थ्य और सेवा कार्यों को गति देना है।

इस सत्र में सीएमएचओ डॉ. यूएस नवरत्न (सचिव, रेडक्रॉस जिला शाखा), जिला शिक्षा अधिकारी जसवीर सिंह धीर, तथा परिवार कल्याण अधिकारी डॉ. लक्ष्मीकांत जांगड़े ने अपने सुझावों से बैठक को दिशा दी।

नए सदस्य, नई ऊर्जा — जिला स्तरीय अधिकारियों को जोड़ा गया

रेडक्रॉस की जिला प्रबंध समिति को मजबूत बनाने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण जिला अधिकारियों को सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया। इनमें सिविल सर्जन, वन विभाग के अधिकारी, लीड कॉलेज के प्राचार्य, समाज कल्याण अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी, खनिज विभाग के अधिकारी, आरटीओ अधिकारी और डीएसपी शामिल हैं। जल्द ही समिति के अंतर्गत विभिन्न उपसमितियों का गठन किया जाएगा।

सदस्यता अभियान और जनजागरूकता का बिगुल

बैठक में यह निर्णय लिया गया कि रेडक्रॉस की सदस्यता को व्यापक रूप से बढ़ाया जाए। संरक्षक, उप-संरक्षक और आजीवन सदस्यता के लिए फार्म भरकर राशि जमा करने की प्रक्रिया को सरल बनाकर अधिक से अधिक लोगों को जोड़ा जाएगा। यह तय हुआ कि जो नागरिक रेडक्रॉस की सदस्यता लेंगे, वे केवल सहायक नहीं होंगे, बल्कि मानव सेवा के प्रहरी भी बनेंगे।

फर्स्ट एड प्रशिक्षण और एम्बुलेंस की मांग

रेडक्रॉस के तहत दो चिकित्सकों के फर्स्ट एड प्रशिक्षित होने की जानकारी साझा की गई। बैठक में तय हुआ कि अब प्राथमिक चिकित्सा का प्रशिक्षण आम नागरिकों तक भी पहुँचाया जाएगा, जिससे दुर्घटना के समय जीवन रक्षा सुनिश्चित की जा सके।

इसके साथ ही राज्य से रेडक्रॉस एम्बुलेंस की मांग भी की गई है, जिससे आपदा या आकस्मिक स्थिति में त्वरित चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

रक्तदान, स्वास्थ्य शिविर और रेडक्रॉस क्लबों की शुरुआत

राज्यपाल गोद ग्रामों में रक्तदान शिविर और स्वास्थ्य शिविरों के आयोजन का भी निर्णय लिया गया। वहीं, कॉलेजों और स्कूलों में यूथ रेडक्रॉस व जूनियर रेडक्रॉस इकाइयों को सक्रिय करने की योजना पर चर्चा हुई। इसके तहत इन संस्थानों के प्रभारियों की बैठक आयोजित कर, छात्रों में रेडक्रॉस के प्रति जागरूकता और सेवा भावना का संचार किया जाएगा।

प्रतीक चिन्ह का दुरुपयोग बंद — सख्ती से कार्यवाही का निर्णय

रेडक्रॉस के मूल प्रतीक चिन्हों का गलत इस्तेमाल कर रहे संस्थानों/व्यक्तियों के खिलाफसख्त कार्यवाही का निर्णय लिया गया। इससे रेडक्रॉस की पहचान और भरोसे की रक्षा की जाएगी।

स्वयंसेवकों का सम्मान — मानवीय सेवा को मिलेगा नया मंच

बैठक में जिले के उत्कृष्ट रेडक्रॉस वॉलंटियर्स को सम्मानित करने की भी योजना बनी। यह कदम रेडक्रॉस सेवा से जुड़ने वाले स्वयंसेवकों का हौसला बढ़ाने के साथ-साथ समाज में रेडक्रॉस की साख को भी बढ़ाएगा।

समापन — सेवा ही धर्म है

बैठक के समापन पर बीएस उइके ने कहा कि रेडक्रॉस न केवल एक संस्था है, बल्कि एक विचार है — ऐसा विचार जो संकट में मानवता के साथ खड़ा होता है। उन्होंने जिले के नागरिकों से अपील की कि वे रेडक्रॉस से जुड़कर स्वास्थ्य, सेवा और सहयोग के इस अभियान को और सशक्त बनाएं।

इस अवसर पर समिति के सदस्य नथमल शर्मा, देवसिंह रात्रे, बैसाखू राम साहू, संजय नेताम, एवं श्रीमती देवकी साहू भी मौजूद रहे।

गंगा प्रकाश
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आवश्यकता है

छत्तीसगढ़ में तेजी से बढता हुआ अखबार ...गंगा प्रकाश को छत्तीसगढ़ के समस्त जिला एवं ब्लाक में विज्ञापन एवं समाचार संकलन हेतु विज्ञापन संकलनकर्ता एवं रिपोर्टरो की आवश्यकता है।

पत्रकारिता के क्षेत्रमें इच्छुक व्यक्ति जल्द संपर्क करें।

संपर्क सुत्र :- 8878098815 9770269285

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक प्रकाश कुमार यादव द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, जय स्तंभ चौक रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व मकान नंबर-451, वार्ड नंबर-12, झुलेलाल पारा, छुरा (नगर पंचायत), जिला-गरियाबंद (छ.ग.)-493996 से प्रकाशित। *संपादक प्रकाश कुमार यादव मो. 9589154969, प्रबंध संपादक रज्जू बंजारे मो.- 9770269285 (* समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र गरियाबंद होगा।